संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 123
पृष्ठ 8
बुधवार
21 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- वेट लॉस से लेकर पाचन तक में...

विचार- हिमाचल में हिम अकाल खतरे का...

खेल- क्या कोहली-रोहित का होगा डिमोशन...

पीएम मोदी बोले-

हमारे यहां अध्यक्ष बदलते हैं आदर्श नहीं

आज से भाजपा में नवीन नायक

नई दिल्ली,एजेंसी। नितिन नवीन भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए हैं। मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में इसका एलान किया गया। इस मौके पर पीएम मोदी ने उन्हें माला पहनाकर अभिवादन और स्वागत किया। पीएम मोदी ने नितिन नवीन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नितिन नवीन को दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा का ये संगठन पर्व देश के कार्यकर्ता केंद्रित सोच का प्रतीक है। पीएम मोदी ने भाजपा के सभी पूर्व अध्यक्षों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि आज भाजपा का जितना फोकस संगठन के विस्तार पर है, उतना ही कार्यकर्ता के निर्माण पर भी है। उन्होंने कहा कि मैं मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री भी रहा, लेकिन मैं भाजपा का कार्यकर्ता रहा। उन्होंने कहा कि मैं कार्यकर्ता हूं और नितिन नवीन मेरे बॉस हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, नितिन नवीन को केवल भाजपा ही नहीं, एनडीए के घटक दलों से भी समन्वय बनाना है। नितिन ने खुद को साबित किया है। पीएम ने कहा, देश अब 21वीं सदी के एक अहम दौर में प्रवेश कर चुका है। पहले 25 साल तेजी से बीत चुके हैं और अब आने वाले 25 साल बेहद महत्वपूर्ण होने वाले हैं। यही वह समय है, जब विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करना है। उन्होंने कहा कि इस नए दौर की शुरुआत में नितिन नवीन भाजपा की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि नितिन नवीन आज की युवा पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे उस पीढ़ी से हैं, जिसने बचपन में रेडियो के जरिए जानकारी ली और आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीक के साथ काम कर रही है। इससे पार्टी के हर कार्यकर्ता को सीखने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा कि जो लोग अपनी राजनीति की शुरुआत करना चाहते हैं, वो भी भाजपा को सबसे सुरक्षित मानते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमने सत्ता को सुख का नहीं, सेवा का माध्यम बनाया है। बीते 11 वर्षों की बात करें तो भाजपा ने हरियाणा, असम, त्रिपुरा और ओडिशा में पहली बार अपने सामर्थ्य से सरकार बनाई है। पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में भाजपा जनता की बड़ी आवाज बनकर उभरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, बीते डेढ़–दो वर्षों में भाजपा पर जनता का भरोसा और मजबूत हुआ है। विधानसभा हो या स्थानीय निकाय, भाजपा का स्ट्राइक रेट अभूतपूर्व रहा है। इस दौरान देश में 6 राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए हैं, इनमें से 4 चुनाव भाजपा–एनडीए ने जीते हैं। आज भाजपा सिर्फ संसद और विधानसभा की ही नहीं, बल्कि नगरपालिकाओं और नगर निगमों में भी पहली पसंद है। इसका ताजा उदाहरण महाराष्ट्र है। भाजपा, महाराष्ट्र के स्थानीय निकायों में नंबर वन पार्टी बनी है। कुल 29 में से 25 बड़े शहरों की जनता ने भाजपा–एनडीए को चुना है। कुल जितने पार्षद जीते हैं, उनमें से 50 प्रतिशत भाजपा के हैं। ऐसे ही केरल में भाजपा के करीब 100 पार्षद हैं। ऐसे ही तिरुवनंतपुरम की जनता ने मेयर चुनाव में 45 साल बाद लेफ्ट से सत्ता छीनी और भाजपा पर भरोसा किया।श उन्होंने कहा कि भाजपा का लगातार विस्तार हो रहा है। यह गर्व का विषय है। भाजपा लगातार सशक्त होती गई है। पीएम ने कहा अटल जी, आडवाणी जी और मुरली मनोहर जोशी जी के नेतृत्व में भाजपा ने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया।

नितिन नबीन का पहला धुआंधार भाषण

राजनीति भोग नहीं, त्याग है

नई दिल्ली, एजेंसी। नितिन नबीन को मंगलवार को औपचारिक रूप से भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। उन्होंने जेपी नड्डा का स्थान लिया और पार्टी के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत की, क्योंकि पार्टी देश की राजनीति पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। भाजपा के संगठनात्मक चुनावों के रिटर्निंग ऑफिसर के. लक्ष्मण ने संगठनात्मक चुनावों के परिणाम घोषित किए और 45 वर्षीय नबीन को चुनाव प्रमाण पत्र सौंपा। वे पार्टी के शीर्ष पद पर आसीन होने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नड्डा, वरिष्ठ मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी और अन्य कई लोग नेतृत्व परिवर्तन के साक्षी बनने के लिए भाजपा मुख्यालय में उपस्थित थे। नबीन भाजपा के 12वें अध्यक्ष बने, जिसकी स्थापना 1980 में हुई थी, उसी वर्ष उनका जन्म भी हुआ था। सादगीप्रिय और कम चर्चित नबीन ने 14 दिसंबर को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद बिहार सरकार में कानून और न्याय, शहरी विकास और आवास मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि मैं आज इस अवसर पर पार्टी के पूर्व के राष्ट्रीय अध्यक्षों का स्मरण करता हूं और उनका अभिवादन करता हूं। आज का क्षण मेरे लिए संकल्प का क्षण है। आज मैं केवल पद ग्रहण नहीं कर रहा हूँ। मैं इस पार्टी की विचारधारा, परंपराओं और राष्ट्रवादी आंदोलन की जिम्मेदारी को स्वीकार कर रहा हूँ, और इस अवसर पर मैं अपने सभी वरिष्ठ सहयोगियों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। आज 140 करोड़ भारतीय विकसित भारत के सपने से जुड़ रहे हैं और देश को आगे ले जाने के लिए काम कर रहे हैं। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। अगले कुछ महीनों में तमिलनाडु, असम, बंगाल, केरल और पुडुचेरी में चुनाव होने वाला है और वहां की डेमोग्राफी की चर्चा हो रही है कि किस प्रकार वहां डेमोग्राफी बदल रही है।

अरविंद केजरीवाल बोले-

गुजरात में बदलाव होकर रहेगा

अहमदाबाद,एजेंसी। वडोदरा में आम आदमी पार्टी का बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया– कार्यकर्ताओं का जोश और जज्बा बता रहा है कि गुजरात में बदलाव होकर रहेगा। सम्मेलन में साफ दिखा कि अब गुजरात डर से नहीं, हक और सम्मान की राजनीति से चलेगा। 30 साल की नाकामी, भ्रष्टाचार और दमन के खिलाफ अब जमीन से उठी आवाज भाजपा की नींद उड़ाने वाली है। उन्होंने कहा कि गुजरात कभी देश का सबसे समृद्ध राज्य था लेकिन अब भाजपा शासन में किसान, युवा और गरीब सभी पीड़ित हैं। केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी 2027 के गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर कर देगी। उन्होंने कहा, इन 30 साल में उन्होंने सबकुछ बर्बाद कर दिया और समाज के हर वर्ग का अपमान किया। यह लड़ाई सत्ता की नहीं, गुजरात के सम्मान की, गुजरातियों के आत्मसम्मान की लड़ाई है। यह किसी एक पार्टी को सत्ता से हटाकर दूसरी को सत्ता में लाने की लड़ाई नहीं है। केजरीवाल ने सभा को संबोधित करने से पहले 18 जनवरी, 2024 को हरनी झील में हुए नौका हादसे के पीड़ित परिजनों से मुलाकात की। इस हादसे में 12 स्कूली बच्चों और दो शिक्षकों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा, उन्हें (सत्तारूढ़ भाजपा) आपकी परवाह नहीं, सिर्फ ठेकेदारों की परवाह है। 12 बच्चों की जान चली गई लेकिन किसी को मुआवजा नहीं मिला, किसी को सजा नहीं मिली। केजरीवाल ने यह भी आरोप लगाया कि इस घटना से जुड़े दो परिवारों की महिलाएं मुख्यमंत्री की बैठक में गई थीं लेकिन पुलिस ने उन्हें वहां से हटा दिया और दो दिन बाद उनके घर गिरा दिए। उन्होंने कहा कि गुजरात का आदिवासी क्षेत्र सबसे पिछड़ा हुआ है और इसके विकास के लिए आवंटित धनराशि को अन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जब अनुसूचित जनजाति आरक्षित क्षेत्र देदियापाड़ा से 'आप' विधायक ने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत नर्मदा जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली पर खर्च के बारे में जानकारी मांगी तो पता चला कि राज्य के आदिवासी कल्याण कोष से 50 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक यूपी की विधानसभा : ओम बिरला

लखनऊ,संवाददाता। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश की विधानसभा जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक लगती है। पीठासीन अधिकारियों के 86वें अखिल भारतीय सम्मेलन के दूसरे दिन यहां विधानभवन के मंडप (जहां सत्र की कार्यवाही संचालित होती है) में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि इस विधानसभा में पहले भी आना हुआ है और उत्तर प्रदेश की विधानसभा जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक लगती है। बिरला ने कहा कि प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने देश और दुनिया की सबसे बड़ी विधानसभा में लोकतांत्रिक मूल्यों, श्रेष्ठ परंपराओं, अच्छी परिपाटियों को लागू किया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा के विशेष योग्यता धारक जनप्रतिनिधियों, डॉक्टर, इंजीनियर, सनदी लेखाकार आदि, के अनुभवों का महाना ने पेशेवरों के अलग–अलग समूह बनाकर लाभ उठाया। सम्मेलन में उप्र विधानसभा के बदलाव से संबंधित दिखाई गई 13 मिनट की एक लघु फिल्म की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, उप्र विधानसभा ने महिलाओं और युवाओं के अलग–अलग सत्र आयोजित किये, ताकि महिलाओं की भागीदारी राजनीति में बढ़े और उसकी प्रेरणा सभी राज्य की महिलाओं को मिले। युवाओं की भागीदारी लोकतंत्र में बढ़ाने के लिए युवा संवाद और युवा चर्चा जैसे सत्र आयोजित करने जैसे अच्छे प्रयास किये गये। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी विधानसभा की श्रेष्ठ परिपाटी, परंपराएं, नियमों में बदलाव, लोकतंत्र में भागीदारी, नये प्रयोग प्रेरणादायी होते हैं और निश्चित रूप से हम इसीलिए चर्चा करते हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपने छह साल के कार्यकाल में बदलती लोकतांत्रिक विधानसभाओं का स्वरूप देखा है। विधानसभाओं में पहले गया और उसके तीन–चार साल बाद गया...सभी माननीय अध्यक्षों ने बदलाव किया और समाज की सक्रिय भागीदारी के लिए बहुत प्रयास किये। बिरला ने कहा कि स्थायी समिति की बैठक में इस पर चर्चा भी हुई और मुझे आशा है कि आप बहुमूल्य सुझाव देंगे तो उसके लिए एक समिति बनाकर शीघ्र ही इसी सत्र के अंदर राज्यों की विधानसभाओं व लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति लोगों का और विश्वास बनाने, चर्चाओं और संवाद के सकारात्मक परिणाम के लिए प्रयास करेंगे। इसके पहले उप्र विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने अतिथियों का स्वागत किया। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने दूसरे दिन सम्मेलन की शुरुआत कराई। इस अवसर पर अपने संबोधन में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा, लोकतंत्र का सबसे सशक्त आधार जनता का अटूट विश्वास होता है। यह विश्वास रातों रात निर्मित नहीं होता और न ही वह किसी एक चुनावी सफलता के परिणाम से परिलक्षित होता है। यह निरंतर व्यवहार, सतत संवाद और अटूट उत्तरदायित्व की परिणिति है।

देवनानी ने कहा, हम सदन में बैठते हैं तो हमें संविधान के ट्रस्टी के रूप में व्यवहार करना चाहिए क्योंकि हमारे हाथ में जो शक्ति है वह जनता द्वारा दी गई पवित्र धरोहर है। जब हम जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही की बात करते हैं तो हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि विधायिका कोई स्वायत्त सत्ता केंद्र नहीं है बल्कि जनता की आकांक्षाओं और अभिलाषाओं का एक दर्पण है। उन्होंने कहा, सदन की सर्वश्रेष्ठता इस बात से तय नहीं होती कि वहां बहुमत कितना प्रभावी है बल्कि वह इस बात से तय होती है कि वहां अल्पमत की आवाज को कितना सम्मान और महत्व दिया जाता है।

लड़ते रहें डरे नहीं रायबरेली में राहुल गांधी बोले-

सरकार ने धर्म का आडंबर ओढ़ा है, जिसे बेनकाब करना जरूरी

रायबरेली,संवाददाता। रायबरेली में सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को भुएमऊ गेस्ट हाउस में पार्टी पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें लड़ते रहना है और डरना नहीं है। उन्होंने वर्तमान भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार धर्म का आडंबर ओढ़े हुए है, जिसे बेनकाब करना आवश्यक है। बैठक में आगामी पंचायत चुनावों में उम्मीदवारों के चयन और पार्टी की रणनीति पर गहन विचार–विमर्श किया गया। राहुल गांधी ने कहा, हमारी तीन टर्म की सरकार में मनरेगा का जो कांसेप्ट था, उसमें पंचायतों को जिम्मेदारी देने की बात थी। उनको फाइनेंसियल रिस्पांसिबिलिटी दी जाए। उस दौरान दूसरा लक्ष्य था कि हिंदुस्तान के जो गरीब लोग हैं, उनके लिए मिनिमम वेज बने। जिससे कम कहीं भी किसी को वेज न मिले। नरेंद्र मोदी यह नहीं चाहते हैं। वह पावर को पावर कांसेप्टेड करना चाहते हैं। वह पावर को अपने हाथों में लेना चाहते हैं और ब्यूरोक्रेसी के हाथों में डालना चाहते हैं। वह गरीबों को भूखा मारना चाहते हैं। मुख्य बात यह नहीं है कि मनरेगा का नाम बदला गया है,लेकिन नाम बदल कर गांधी जी का अपमान जरूर किया गया है। उससे बड़ी बात है कि जो गरीब जनता है, उससे प्रोटेक्शन हटा दिया गया है।

हमारी थर्ड टर्म गर्वमेंट की जो सोच थी, उसकी जड़ को काटा गया है। कांग्रेस पार्टी पूरे देश में मनरेगा को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। जो मजदूरी करते हैं उनकी सुरक्षा में लगे हुए हैं। नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि देश का पूरा धन अदानी और अंबानी के साथ में चला जाए, एक तरफ हम जनता की रक्षा कर रहे हैं तो दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी देश की जनता का पैसा खींच कर अदानी और अंबानी को देने में लगे हैं। राहुल गांधी ने पार्टी की युवा शक्ति को आगे बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। इस संकेत से यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस आगामी पंचायत चुनावों में युवा चेहरों पर भरोसा जता सकती है। पार्टी का मानना है कि युवा जोश और नए विचारों से संगठन को मजबूती मिलेगी और जमीनी स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया जा सकेगा। इस अवसर पर, सांसद राहुल गांधी ने 31 विकास कार्यों का लोकार्पण किया और आठ नए कार्यों का शिलान्यास भी किया। इन विकास परियोजनाओं से क्षेत्र की जनता को लाभ मिलने की उम्मीद है।

इसके बाद, उन्होंने रायबरेली प्रीमियर लीग का उद्घाटन किया, जिससे स्थानीय खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। विकास कार्यों के उद्घाटन और खेल आयोजन के पश्चात, राहुल गांधी नगर पालिका अध्यक्ष शत्रोहन सोनकर के आवास पर पहुंचे। उन्होंने वहां पालिका अध्यक्ष से मुलाकात की और स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की। इस मुलाकात को राजनीतिक गलियारों में अहम माना जा रहा है। ऊंचाहार के उमरन गांव में राहुल गांधी की मनरेगा चौपाल में भारी भीड़ उमड़ी है। पंडाल लोगों से खचाखच भरा हुआ है। हाथों में ग्रामीण स्लोगन लिखी तख्ती लिए हुए हैं।

मुंगरा 11 को हराकर अर्ना 11 सेमीफाइनल में पहुची

प्रयागराज। सचिन तेंदुलकर ग्रैंड क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ सराय सुल्तान गांव में सोमवार को हुआ। पहला मैच अर्ना–11 जौनपुर और आसिफ –11 फूलपुर के बीच हुआ। अर्ना 11 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ ओवर में 4 विकेट पर 155 रन बनाए। जवाब में आसिफ 11 55 रन ही बना सकी। दूसरा मैच रोहित –11 प्रतापगढ़ और मुंगरा –11 के बीच खेला गया। इसमें मुंगरा –11 ने 8 ओवर में 125 रन बनाए। जबकि रोहित –11 70 रन ही बना सकी। प्रथम मैच के विजेता और द्वितीय मैच के विजेता के बीच पहला क्वार्टर फाइनल अर्ना 11 और मुंगरा –11 के बीच खेला गया। इसमें मुंगरा –11 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 60 रन बनाए। जवाब में अर्ना 11 ने छह विकेट से मैच जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई।

ई–रिक्शा की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के बीदा गांव में सोमवार दोपहर तेज रफ्तार ई–रिक्शा की टक्कर से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान बिंदा गांव निवासी मोहम्मद इलियास (65) पुत्र मोहम्मद यूसुफ के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, मोहम्मद इलियास घर के पास स्थित चाय की दुकान पर चाय पीने निकले थे। सड़क पार करते समय अचानक तेज गति से आ रहे ई–रिक्शा से टक्कर लग गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इलियास घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सैदाबाद ले गई, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

लावारिस कुत्ते ने 22 लोगों को काटकर किया घायल

प्रयागराज। क्षेत्र में लावारिस कुत्ते लोगों के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। सोमवार को नगर पंचायत शंकरगढ़ के लाइनपार इलाके में एक लावारिस कुत्ते ने महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों समेत 22 लोगों को काटकर घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। कुत्ते के हमले में घायल सभी लोगों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ पहुंचाया गया। सीएचसी में तैनात चिकित्सकों की ओर से घायलों को प्राथमिक उपचार देने के साथ एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई। वहीं गंभीर रूप से कुछ लोगों को तेज बहादुर सप्रू (बेली) अस्पताल के लिए रेफर किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि लावारिस कुत्तों की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। नागरिकों ने नगर पंचायत प्रशासन से लावारिस कुत्तों को पकड़ने और स्थायी समाधान की मांग की है।

रेफर किए गए लोगों में मुरलीधर (58) निवासी रेही, रोहित (25) भडिवार, सुधांशु (26) शिवराजपुर, शिवनाथ (19) शंकरगढ़, मुन्नी देवी (50) मोदीनगर, मीरा केसरवानी (45), विनोद (40), साधना (30) गदामार, दयावती (55), निशा (40), रोहित (20) चंदवा, अमित (27), श्लोक (8) कढार, राममिलन (60) कढार, रानी केसरवानी (41), सुशील (55) हिनौती पांडे, सुदीप (18) तालापार, राधा (20), बकरीदन (26), लक्ष्मी (65), रोशनी (30) और शिवपूजन (21) हैं। इधर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. अभिषेक सिंह ने बताया कि कुत्ते के काटने से घायलों को एंटी रेबीज वैक्सीन का टीका लगाया गया है। जो मरीज सेवर बाइट (अधिक घायल) के थे, उन्हें एंटी रेबीज वैक्सीन की आवश्यकता होती है। एंटी रेबीज वैक्सीन जिला अस्पताल में उपलब्ध होता है। सेवर बाइट घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

बाइक की भिड़ंत में दो युवकों की मौत

प्रयागराज। सोरांव थाना अंतर्गत सूबेदार का इनारा मो.पुर नौगवां गांव के निकट रविवार देर शाम सोरांव– होलागढ़ मार्ग पर दो बाइक में आमने–सामने भिड़ंत हो गई। दोनों बाइकों पर सवार एक महिला समेत चार युवक घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी भेजा। जहां डॉक्टरों ने दो युवकों को एसआरएन रेफर कर दिया था। रात में इलाज के दौरान दोनों युवकों की मौत हो गई। होलागढ़ थाना अंतर्गत जमुनीपुर गांव का रहने वाला विपिन कुमार (29) फाफामऊ के शांतिपुरम से मजदूरी कर अपनी चचेरी भाभी छाया को साथ बाइक से घर लौट रहे थे। दोनों सोरांव के सूबेदार का इनारा मो.पुर नौगवां गांव के निकट सोरांव – होलागढ़ मार्ग पर पहुंचे ही थे कि तभी सामने से आ रहे नवाबगंज थाना अंतर्गत मादूपुर गांव के रहने वाले दीपक (28) की बाइक के साथ टक्कर हो गई। हादसे में पसियापुर गांव निवासी साथी शिवकुमार, विपिन कुमार व उसकी चचेरी भाभी छाया घायल हो गए। डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख विपिन कुमार तथा दीपक को एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया था। जहां इलाज के दौरान रविवार रात विपिन और दिलीप की मौत हो गई।

रुपये वापस मांगने पर दंपती और बेटे को पीटा

प्रयागराज। नौकरी के लिए दिए गए रुपये मांगने पर दंपती और बेटे की पिटाई का मामला सामने आया है। थाना अंतर्गत बलकरनपुर ठगहा निवासी विजय बहादुर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने अपने बेटे के लिए नौकरी दिलवाने के लिए रैया गांव निवासी एक व्यक्ति को दो वर्ष पहले रुपए दिए थे। नौकरी न लगने पर भुक्तभोगी ने आरोपी से पैसा मांगा तो वह हीलाहवाली करता रहा। इसी बीच रविवार को आरोपी ने रुपये देने के लिए रैया गांव के निकट एक मंदिर के पास बुलाया। आरोप है कि इस दौरान आरोपी चार पांच अज्ञात लोगों के साथ पहुंचकर भुक्तभोगी बाप–बेटे की जमकर पिटाई कर दी। दोनों किसी तरह जान बचाकर भाग आए। आरोप है कि सोमवार को भुक्तभोगी दंपती अपने बेटे के साथ तहसील परिसर से होते हुए सोरांव थाने जा रहे थे। तभी आरोपियों ने पुनः दंपती और उसके बेटे को जान से मारने की धमकी देते हुए पिटाई की। भुक्तभोगी ने सोरांव थाने में आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के मामले में पुरी शंकराचार्य का बयान आया सामने

प्रयागराज। गोवर्धन मठ पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा है कि उनका निर्णय अकाट्य होता है और उनके निर्णय को सुप्रीम कोर्ट भी मानता है। इसके साथ ही साथ पुरी पीठाधीश्वर ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को अपना लाडला भी बताया। एक तरह से उन्होंने अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया। कहा कि मेला प्रशासन अपना काम करे।

गोवर्धन मठ पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा है कि उनका निर्णय अकाट्य होता है और उनके निर्णय को सुप्रीम कोर्ट भी मानता है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर चल रहे विवाद पर संवाद न्यूज एजेंसी की ओर से किए गए सवाल पर पुरी शंकराचार्य ने कहा कि उनके पास जब विधिवत यह मामला आएगा, तभी वह इसका जवाब देंगे। अभी उनके पास यह प्रकरण नहीं आया है। इसलिए वह इस बारे में कुछ भी नहीं कहेंगे।

मेला प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद को जारी किया नोटिस, कहा– साक्ष्य दें कि आप शंकराचार्य हैं

प्रयागराज। ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और प्रयागराज मेला प्राधिकरण के बीच चल रहे विवाद के बीच एक नया मोड़ आ गया है। मेला प्रशासन ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस जारी करके कहा है कि आप 24 घंटे में स्पष्ट करें और प्रमाण दें कि आप शंकराचार्य हैं। सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित होने के बाद भी आप अपने नाम के आगे शंकराचार्य लिख रहे हैं जो कि शीर्ष अदालत के आदेश का उल्लंघन है। उधर, शंकराचार्य ने कहा कि हम भी मेला प्रशासन को नोटिस जारी करेंगे।

प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस जारी किया है। 24 घंटे में जवाब मांगा है कि साबित करें की आप ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य हैं। उधर, शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि वह भी मेला प्रशासन को नोटिस जारी करेंगे। कहा कि सुप्रीम कोर्ट के रोक के बाद बी आपने अपने नाम के आगे शंकराचार्य लगाया है, जो कि गलत है। मौनी अमावस्या पर स्नान को लेकर मेला प्रशासन और शंकराचार्य में काफी विवाद हो गया था। इसके बाद अविमुक्तेश्वरानंद को बिना स्नान किए ही शिविर में लौटा दिया गया था। आरोप है कि पुलिस ने शंकराचार्य के शिष्यों को मारा पीटा और उनका बाल पकड़कर घसीटा। सोमवार को मीडिया के सामने शंकराचार्य ने अपने उन शिष्यों को पेश किया जिनके साथ पुलिस ने ज्यादती की है।

शिविर के बाहर नोटिस चस्पा

सोमवार देर रात मेला प्राधिकरण ने शंकराचार्य को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। इससे पहले शंकराचार्य ने सोमवार दोपहर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा– प्रशासन के माफी न मांगने तक हम अपने आश्रम में प्रवेश नहीं करेंगे। फुटपाथ पर ही रहेंगे। क्योंकि, शंकराचार्य जब भी इतिहास में स्नान करने गए हैं, पालकी में ही गए हैं। मैं प्रण लेता हूं कि हर मेले के लिए प्रयागराज आऊंगा, लेकिन कभी भी शिविर में नहीं, फुटपाथ पर रहूंगा।

इसके बाद माघ मेला प्रशासन ने स्वामीअविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस जारी किया है। नोटिस में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा गया है कि किसी भी धर्माचार्य का ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य के रूप में पट्टाभिषेक नहीं हुआ है। इसके बावजूद शिविर के बोर्ड पर खुद को शंकराचार्य प्रदर्शित करना इस आदेश की अवहेलना है। प्रशासन ने 24 घंटे के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है। देर रात नोटिस लेकर पहुंचे कानूनगो को समर्थकों ने यह कहते हुए लौटा दिया कि सुबह आइए। अभी कोई पदाधिकारी नहीं है जो नोटिस रिसीव कर सके। इसके बाद नोटिस को शिविर के बाहर चस्पा किया गया है।

सीएम के आदेश पर अभद्रता का आरोप

शंकराचार्य ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ईशारे पर उनके साथ अभद्रता की गई और उन्हें संगम स्नान करने से रोका गया। उनकी हत्या का प्रयास किया गया। अगर वह रथ से उतर जाते तो उनकी हत्या हो जाती। सादे कपड़ों में पहुंचे पुलिस के जवानों ने उनका अपहरण करने का प्रयास किया। पांच घंटे तक उनको अज्ञात स्थान पर रखा गया और शाम को उनको शिविर के सामने पहुंचा दिया गया।

हालांकि मेला प्रशासन ने शंकराचार्य के आरोपों का खंडन किया। कहा कि वह शंकराचार्य नहीं नहीं, इसलिए उनको शंकराचार्य का प्रोटोकाल नहीं दिया गया। अब मेला प्रशासन ने नोटिस जारी करके अविमुक्तेश्वरानंद से उनके शंकराचार्य होने का प्रमाण मांग लिया है। इसके लिए 24 घंटे का समय दिया है। इसका उत्तर देने के लिए अविमुक्तेश्वरानंद ने दोपहर तीन बजे प्रेसवार्ता बुलाई है। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि वह भी मेला प्रशासन को नोटिस जारी करेंगे।

तीसरे दिन भी जारी रहा शंकराचार्य का धरना

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का धरना तीसरे दिन भी जारी है। माघ मेले में त्रिवेणी मार्ग पर वह अपने शिविर के सामने फुटपाथ पर बैठे हुए हैं। यहां पर बड़ी संख्या में साधु संतों के साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग उनके समर्थन में पहुंच रहे हैं। शंकराचार्य मेला प्रशासन से माफी मांगने पर अड़े हैं। कहा कि वह तब तक शिविर में प्रवेश नहीं करेंगे जब तक कि ससम्मान उनको संगम में स्नान करा कर शिविर में प्रवेश नहीं कराया जाता। यह भी कहा कि वह अगले साल भी मेले में आएंगे और इसी तरह फुटपाथ पर बैठेंगे और शिविर में प्रवेश नहीं करेंगे।

अविमुक्तेश्वरानंद ही हैं ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य, उनके अधिवक्ता ने किया दावा

प्रयागराज। प्रयागराज मेला प्राधिकरण की ओर से शंकराचार्य का साक्ष्य देने के लिए जारी नोटिस के जवाब में मंगलवार को शंकराचार्य के अधिवक्ता डॉ. पीएन मिश्रा ने स्पष्ट किया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ही ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य हैं इसको लेकर कोई विवाद नहीं है। उनके नाम से रजिस्टर्ड वसीयत है। यह

सुप्रीम कोर्ट के रिकॉर्ड में दर्ज है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अधिववक्ता डॉ. पीएन मिश्रा ने प्रेसवार्ता में दावा किया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ही ज्योतिष मठ के शंकराचार्य हैं। उनके नाम से रजिस्टर्ड वसीयत है। इसमें कोई विवाद नहीं है। मेला प्रशासन की ओर से शंकराचार्य को लेकर पूछे गए सवाल पर आज उन्होंने सफाई दी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा कि वह न तो धरने पर बैठे हैं न ही अन्न जल का त्याग किया है। उनको मेला प्रशासन ने हिरासत में लिया था। उनको लाकर जहां छोड़ा था वहीं पर हैं। चूंकि वह स्नान करने के निमित्त शिविर से निकले थे और अब ससम्मान स्नान करके ही शिविर में लौटेंगे चाहे जितने साल लग जाएं।

कस्टम अधिकारी की नौकरी छोड़ राधेय से बनीं कृष्णा माता, अन्न का किया त्याग, संगम की रेती पर कर रहीं कल्पवास

प्रयागराज। जहां एक ओर दुनिया सफलता को पद, पैसा और प्रतिष्ठा की कसौटी पर तौलती है, वहीं तमिलनाडु की धरती से उठी एक साध्वी ने यह सिद्ध कर दिया कि सच्ची सिद्धि आत्मबोध में है। यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा पास कर कस्टम विभाग की अधिकारी बनीं राधेय ने जब संसार की माया का त्याग कर कृष्णा माता बन गईं। वह वैराग्य, तप और त्याग की जीवंत प्रतिमूर्ति हैं। अन्न तक का परित्याग कर ब्रह्मपथ की साधना में लीन कृष्णा माता कैवल्य महिला अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर हैं।

यूपीएससी की कड़ी परीक्षा पास करके कस्टम अधिकारी बनीं राधेय ने 17 साल नौकरी करने के बाद त्याग पत्र दे दिया और संन्यास ग्रहण कर लिया। इस समय वह प्रयागराज में कल्पवास कर रही हैं। सांसारिक मोह माया का त्याग कर संन्यास ग्रहण करने के पीछे वह अपनी स्वतंत्रता बताती हैं। अपने पूर्व जीवन के बारे में बात करने से वह काफी कतराती हैं। कहती हैं कि जैसे इस संसार में किसी को नहीं पता कि वह पिछले जन्म में क्या था और कौन था। उसी तरह मैं भी पिछले जन्म (गृहस्थ जीवन) को भूलना चाहती हैं। मुझे नहीं पता कि पहले मैं क्या थी और किस पद प्रतिष्ठा पर आसीन थी। वह सब कुछ भूलकर सिर्फ भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन रहना चाहती हैं। 13 वर्षों से उन्होंने अन्न का त्याग कर दिया है और एक टाइम सिर्फ फलहार ग्रहण करती हैं। कृष्णा माता का शिविर माघ मेला में अरैल क्षेत्र में यमुना के तट पर है।

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली की रहने वाली कृष्णा माता का नाम राधेय था। अयंगर ब्राह्मण परिवार से ताल्लुकात रखने वाली कृष्णा माता 1994 में तीसरे प्रयास में यूपीएससी की परीक्षा पास

किया। इसके बाद कस्टम विभाग में क्लास वन के विभिन्न पदों पर रहीं। 17 साल सेवा देने के बाद उन्होंने 2015 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ले लिया। जब उन्होंने नौकरी से इस्तीफा दिया उस समय वह चेन्नई में तैनात थीं। इसके पहले वह कई जिलों में ग्रेड वन अफसर के तौर पर सेवाएं दे चुकी थीं।

सांसारिक मोह माया का त्याग करने के बाद वह मथुरा के वृंदावन स्थित तपोवन पहुंच गईं। यहां पर पश्चिम बंगाल के रहने वाले कमल मधुसूदन जी महाराज से दीक्षा लेकर श्रीकृष्ण की भक्ति में रम गई। कमल मधूसूदन जी महाराज की पुष्प समाधि राधा दामोदर मंदिर वृंदावन में है। कृष्णा माता ने कहा कि गीता और सनातन धर्म के अनुसार मनुष्य का 100 वर्ष की आयु निर्धारित कर आश्रम का निर्धारण किया गया है। बचपन से 25 वर्ष तक ब्रह्मचर्य, 25 से 50 वर्ष तक गृहस्थ, 50 से 75 वर्ष तक संन्यास की व्यवस्था की गई है। मैने भी 50 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद संन्यास आश्रम में प्रवेश किया। गृहस्थ जीवन में रहने के दौरान एक बार वह इस आश्रम में आई थीं और अपने गुरु और साधु संतों के विचार से काफी प्रभावित हुई थीं। इसके बाद जब उन्होने मोह माया का त्याग किया तो सीधे वृंदावन के तपोवन पहुंचीं।

कैवल्य अखाड़ा महिला का किया गठन

महिला साध्वियों को उनका आधिकार दिलाने के लिए कृष्णा माता ने कैवल्य महिला अखाड़े का गठन किया है और उसकी आचार्य महामंडलेश्वर हैं। अखाड़े में दर्जन भर से अधिक संन्यासी साध्वी के साथ ही बड़ी संख्या में गृहस्थ महिला संत जुड़ी हैं।

संसार तो सागर है, डूबने की इच्छा नहीं

कृष्णा माता ने कहा कि सांसारिक जीवन में उन्हें कोई दिक्कत नहीं थी। सब कुछ ठीक चल रहा था, लेकिन स्वतंत्र रहने की इच्छा जागृत हुई और उन्होंने एक झटके में सब कुछ त्याग करके संन्यास ले लिया। परिवार के बारे में पूछने पर वह कहती हैं कि परिवार के लोग उनके आश्रम आए थे। एक दो बार आए। कुछ देर रोते रहे। इसके बाद चले गए। कहा कि पद, प्रतिष्ठा, वैभव और धन दौलत कुछ भी साथ नहीं जाएगा। जीवन का उद्देश्य केवल पद, पैसा और प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और लोककल्याण भी है। जब मनुष्य अपने भीतर के कृष्ण को पहचान लेता है, तब उसे बाहरी संसार की चमक आकर्षित नहीं करती।

एक ही गांव की हैं कृष्णा माता और हेमा मालिनी

कैवल्य अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर कृष्णा माता का कहना है कि फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी उनके गांव श्रीरंगापुरम की ही हैं। बचपन में गांव में उनसे मुलाकात अक्सर हो जाती थी। बाद में हेमा मुंबई चली गईं। हेमा मालिनी अभी मथुरा से सांसद हैं। वह जब भी मथुरा के दौरे पर आती हैं तो मिलने के लिए उनके आश्रम में आती हैं। उन्होंने सांसद के रूप में हेमा मालिनी के कार्यों की सराहना की।

कृष्णा माता का कहना है कि अन्य अखाड़ों की तरह महिला अखाड़े का भी अलग से शाही स्नान होना चाहिए। इसके लिए वह आवाज उठाएंगे। आने वाले कुंभ में महिला अखाड़े को अलग से शाही स्नान करने की व्यवस्था के लिए महिला अखाड़ों और महिला साधु संतों के साथ बातचीत कर रही हैं।

अमौसा का मेला: चेहरों पर संतुष्टि का भाव, पंगत में प्रसाद पाया फिर दान कर घर चले, स्नान करने वालों की रही भीड़

प्रयागराज। अमौसा के मेले में चेहरों पर संतुष्टि का भाव दिखाई दिया। मेले में विभिन्न भंडारों में पंगत में बैठकर लोगों ने प्रसाद भी पाया। संगम स्नान के बाद वस्त्र–अन्न के साथ गोदान और बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन–पूजन भी किया। मेले में सोमवार को वापसी मार्गों और पीपा पुलों पर सिर पर गठरी, हाथों में झोला लिए लोगों के साथ गोद में बच्चों को लेकर महिलाएं और बुजुर्गों का हाथ पकड़े श्रद्धालु ही दिख रहे थे। सभी मौनी अमावस्या पर पुण्य की डुबकी लगाकर चेहरे पर संतुष्टि का भाव लिए अमौसा का मेला (माघ मेले) से वापसी करते दिखे। श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या के बाद दूसरे दिन भी सुबह गंगा और त्रिवेणी संगम स्नान कर बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन–पूजन किया। घाटों पर स्नानार्थियों की भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाने के बाद घाटों पर पुरोहितों और गुरु के शिविरों में वस्त्र–अन्न के साथ गोदान भी किया। मेले में विभिन्न भंडारों में पंगत में बैठकर लोगों ने प्रसाद भी पाया। कुछ लोगों ने राम तो किसी ने भागवत कथा सुनकर मेला भी घूमा। प्रमुख संतों के शिविरों के भीतर भी गए। खाक चौक के साथ परेड की तरफ श्रद्धालुओं का दबाव ज्यादा रहा। रीवा से गांव वालों के साथ आई रमइया देवी बोलीं कि डुबकी लगावा पर चलै बहुत परा जानिं, हम प्रसाद लई लिहिंन अउर... पिपिया मा गंगा जल, इहिका अम्मा का पिआइब। कमोबेश मेले से लौटने वाले लगभग सभी श्रद्धालुओं का कहना था कि धन्य हो गए, अच्छा स्नान किया। लगभग हर श्रद्धालु अपने साथ गंगा जल जरूर ले गया। त्रिवेणी रोड पर परेड के पास बिंदी–सिंदूर, धागा और माला वालों से इन वस्तुओं को प्रसाद के रूप में खरीदने वाले कम नहीं थे।

शिल्प मेले में ग्राहकों के न आने पर भड़के दुकानदार, एनसीजेडसीसी के अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी) में लगे शिल्प मेले में दो तीन दिन से एक भी ग्राहक न आने पर दुकानदारों का गुस्सा फूट पड़ा है। मंगलवार को दुकानदारों ने एनसीजेडसीसी के अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन और नारेबाजी की। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी) में लगे शिल्प मेले में दो तीन दिन से एक भी ग्राहक न आने पर दुकानदारों का गुस्सा फूट पड़ा है। मंगलवार को दुकानदारों ने एनसीजेडसीसी के अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन और नारेबाजी की। कहा कि प्रचार प्रसार न करने के कारण कोई ग्राहक नहीं आ रहा है। देश के विभिन्न राज्यों से आए दुकानदारों के स्टाल पर सन्नाटा है। उनको काफी नुकसान हो रहा है। दुकानदारों ने मंगलवार को अपनी दुकानें बंद रखीं।

दुकानदारों का कहना है कि पिछले दो–तीन दिन से एक भी ग्राहक दुकान पर नहीं आ रहे हैं। एनसीजेडसीसी के अधिकारी इस शिल्प मेला का प्रचार प्रसार करते तो यहां ग्राहकों का जमावड़ा लगा होता। दुकानों पर बिक्री नहीं होने से लाखों का नुकसान हुआ है। यहां के हर एक दुकानदारों ने अपने स्टाल के लिए 12 से 15 हजार रुपये केंद्र को भुगतान किया है। मेले में यूपी के अलग अलग जिलों के अलावा गुजरात, पंजाब, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड समेत अन्य राज्यों की दुकानें लगी हैं।

ग्रामीणों ने की संपर्क मार्ग को पक्का कराने की मांग

प्रयागराज। विकास खंड बहरिया के कहली गांव स्थित कुशहरा पटेल बस्ती को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग को पक्का कराने की मांग ग्रामीणों ने की है। बस्ती तक पहुंचने के लिए लोगों को लगभग दो किलोमीटर लंबे कच्चे रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे रोजमर्रा के आवागमन में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण श्याम बहादुर पटेल, धर्मेंद्र कुमार के अनुसार बरसात के दिनों में यह मार्ग कीचड़ और गड्ढों से भर जाता है, जिससे पैदल चलना तक कठिन हो जाता है। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सबसे अधिक दिक्कतें होती हैं, वहीं दोपहिया और चारपहिया वाहनों के फिसलने का खतरा भी बना रहता है।

उधार पैसा मांगने पर मां–बेटी को पीटा, एफआईआर

प्रयागराज। उधार पैसा मांगने पर मां बेटी की पिटाई मामले में मऊआइमा पुलिस ने पांच के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। चकश्याम निवासी खुशबू पुत्री सुरेश कुमार ने बताया कि उसने पड़ोसी को 10 हजार रुपये उधार दिए थे। समय बीतने के बाद बकाया पैसे वापस मांगने पर उसके साथ मारपीट की गई। उसने इसकी सूचना 112 नंबर पुलिस को दी। आरोप है कि पीड़िता अपनी मां के साथ थाने जा रही थी तभी चौहान का पूरा नहर के पास विपक्षियों ने घेरकर लाठी–डंडा से फिर मारा–पीटा। पीड़िता ने वीरेंद्र कुमार और उनकी पत्नी, राजाराम निवासी चकश्याम तथा वीरेंद्र के साले व ससुर निवासीगण मलखानपुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

नरेंद्र गिरि आत्महत्या मामले में आनंद गिरि, रविन्द्र पुरी कोर्ट में हुए पेश

प्रयागराज। नरेंद्र गिरि आत्महत्या मामले में आनंद गिरि, आद्या तिवारी और अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी कोर्ट में पेश हुए। पहली बार आनंद गिरि व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश हुए। नरेंद्र गिरि आत्महत्या मामले में आनंद गिरि, आद्या तिवारी और अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी कोर्ट में पेश हुए। पहली बार आनंद गिरि व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश हुए। अभी तक वह वीडियो कांन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हो रहे थे। पहली बार आनंद गिरि व्यक्तिगत रूप से पेश हुए।

राम भाई के निधन पर जताया शोक

मथुरा। स्वर्णकार आइना परिवार के संरक्षक मंडल के सदस्य राम किशन वर्मा (राम भाई) के असामयिक निधन पर स्वर्णकार समाज के गणमान्य लोगों ने शोक व्यक्त कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। अखिल भारतीय स्वर्णकार जनजागृति एसोसिएशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा ने उनके निधन को अपूर्णीय क्षति बताया है। शोक व्यक्त करने वालों में आनंद स्वर्णकार,अजीत कुमार,मुकेश वर्मा, भगवती वर्मा,हिमांशु वर्मा,पंकज वर्मा आदि प्रमुख हैं।

माता शबरी के जूठे बेर समरसता का सबसे बड़ा प्रमाणरू आलोक पांडेय

दुर्गागंज के निकट द्वारिकापुर में आयोजित हुआ भव्य मकर संक्रांति उत्सव

प्रतापगढ़। हमारे सनातन धर्म में जात पांत के नाम पर भेदभाव की भावना कभी नहीं रही। माता शबरी के जूठे बेर और निषादराज गुह्य की निश्छल मित्रता ही आज के समाज में समरसता का सबसे बड़ा प्रमाण है। भगवान श्रीराम ने राजवंश में जन्म लेने के बावजूद प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति को एक समान माना। उक्त बातें भाजपा नेता एवं सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता आलोक कुमार पांडेय ने दुर्गागंज के निकट द्वारिकापुर की दलित बस्ती में आयोजित मकर संक्रान्ति उत्सव और समरसता भोज को संबोधित करते हुए

कही। भाजपा नेता ने कहाकि अपने राजनैतिक लाभ के लिए निम्न सोच के राजनेता समाज को जात पांत में बांटने का कार्य कर रहे हैं। आज भाजपा सरकार में प्रत्येक वर्ग का अनवरत विकास हो रहा है। भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जाति पूछकर नहीं बल्कि पात्रता के आधार पर मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामराज्य की परिकल्पना को साकार करने में लगे हुए हैं। कार्यक्रम के पश्चात समरसता भोज खिचड़ी उत्सव आयोजित किया गया। भाजपा नेता आलोक पांडेय ने उपस्थित लोगों के साथ बैठकर भोजन किया और प्रत्येक वर्ग को एकता के सूत्र में पिरोने का प्रयास किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहदेव यादव एवं संचालन अशोक कुमार श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर राम मिलन निर्मल, रमाशंकर जायसवाल, रामचंद्र शर्मा, दिनेश कश्यप, हीरा बिंद, सन्यासी मास्टर, रामचंद्र, पूर्व प्रधान राम आसरे यादव समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संयोजन अरविंद गौतम ने किया। अंत में कार्यक्रम में मौजूद सैकड़ों ग्रामीणों को कंबल का वितरण भी किया गया।

वन स्टेशन वन प्रोडक्टः भारतीय रेलवे के माध्यम से क्षेत्रीय पहचान का उत्सव मनाना

'ओएसओपी का विस्तार 2,000 से अधिक रेलवे स्टेशनों तक हुआ, जिससे 1.32 लाख कारीगरों को सशक्त बनाया गया और लाखों यात्रियों तक सीधी बाजार पहुंच के माध्यम से भारत की पारंपरिक शिल्पकलाओं को पुनर्जीवित किया गया'

प्रयागराज। भारतीय रेलवे की श्वन स्टेशन वन प्रोडक्टश (ओएसओपी) योजना स्थानीय शिल्प कौशल को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त मंच के रूप में उभरी है। यह पूरे देश में जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा दे रही है। इस पहल का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को भारत की समृद्ध क्षेत्रीय विविधता के जीवंत प्रदर्शन केंद्रों में बदलना है।

स्थानीय विरासत को राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जोड़कर, ओएसओपी न केवल यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाता है, बल्कि समावेशी आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देता है।

19 जनवरी 2026 तक, 2,002 स्टेशनों पर ओएसओपी आउटलेट स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें से कुल 2,326 आउटलेट चालू

हैं। ये आउटलेट हजारों स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और छोटे उत्पादकों के लिए आजीविका का स्रोत बन गए हैं, जिनका अब प्रतिदिन लाखों यात्रियों से सीधा संपर्क है। इसके अलावा, 2022 में ओएसओपी के शुभारंभ के बाद से, इस पहल ने पूरे भारत में 1.32 लाख से अधिक लाभार्थियों के लिए प्रत्यक्ष आर्थिक अवसर सृजित किए हैं।

संख्याओं से परे, ओएसओपी उन पारंपरिक शिल्पों और क्षेत्रीय विशिष्टताओं को पुनर्जीवित करने में मदद कर रहा है जो कभी लुप्त हो रहे थे। पूर्वोत्तर में हस्तनिर्मित मिट्टी के बर्तनों और बांस के काम से लेकर अन्य क्षेत्रों में मसालों, हथकरघा और स्थानीय मिठाइयों तक, ये उत्पाद यात्रियों को प्रत्येक क्षेत्र का सार प्रदान करते हैं।

वाणिज्य और संस्कृति को एकीकृत करके, भारतीय रेलवे ने स्टेशनों को स्थानीय उद्यम के केंद्रों में बदल दिया है। श्वन स्टेशन वन प्रोडक्टश पहल ष्वोकल फॉर लोकलष का एक सच्चा उदाहरण है, जो समुदायों को सशक्त बनाने के साथ–साथ पूरे देश में यात्रियों के यात्रा अनुभव को समृद्ध करती है।

वरिष्ठ पत्रकार के. बख्श सिंह बने एनयूजे उत्तर प्रदेश के कार्यवाहक अध्यक्ष

एनयूजे प्रयागराज के कैलेन्डर का नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ने किया अनावरण

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, उत्तर प्रदेश (एनयूजे) की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में संगठनात्मक दृष्टि से अहम निर्णय लिए गए। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार के. बख्श सिंह को कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष नामित किया गया। इसके साथ ही ट्रस्ट डीड रजिस्ट्रेशन से जुड़े विवाद पर कड़ा रुख अपनाते हुए तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

रविवार को राजधानी लखनऊ स्थित होटल द कॉन्टिनेंटल में आयोजित प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में प्रदेश कार्यसमिति के पदाधिकारियों के साथ–साथ अधिकांश जनपद इकाइयों के अध्यक्ष, महामंत्री और कोषाध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री संतोष भगवन ने किया। इस दौरान संरक्षक अजय कुमार, अशोक अग्निहोत्री और के. बख्श सिंह संरक्षत्व में मंच साझा किया गया। मंच पर प्रदेश कोषाध्यक्ष अनुपम चौहान भी मौजूद रहे। इसी बीच प्रयागराज इकाई के कोषाध्यक्ष मनोज कुमार का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया।

के. बख्श सिंह बने कार्यवाहक अध्यक्ष

बैठक की शुरुआत में प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक कुमार जैन ने के. बख्श सिंह को कार्यवाहक अध्यक्ष नामित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे संरक्षक अजय कुमार ने समर्थन दिया। सभागार में मौजूद सभी सदस्यों ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ प्रस्ताव का स्वागत किया। इसके बाद प्रदेश उपाध्यक्ष निर्भय सक्सेना ने कार्यवाहक अध्यक्ष के नेतृत्व में आगे की कार्यवाही संचालित करने की बात कही।

संगठन और ट्रस्ट विवाद पर तीखे विचार

इसी बीच, प्रदेश उपाध्यक्ष

हिमांशु सिंह ने कहा कि किसी भी निजी ट्रस्ट को पत्रकार संगठन की मान्यता नहीं दी जा सकती। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन का नेतृत्व ऐसा होना चाहिए जो पत्रकारों के जायज़ मुद्दों को मजबूती से उठा सके। प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अतुल मोहन सिंह ने संगठन में समान सम्मान और समभाव की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामान्य सदस्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शीर्ष नेतृत्व।

प्रदेश सचिव राकेश श्रीवास्तव, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य हरीश सैनी, प्रयागराज जिलाध्यक्ष कुंदन श्रीवास्तव, चंदौली जिलाध्यक्ष दीपक सिंह, सुल्तानपुर सदस्य अरुण जायसवाल एवं श्याम चंद्र श्रीवास्तव, आजमगढ़ से आये डॉ. संतोष श्रीवास्तव सहित कई वक्ताओं ने संगठनात्मक एकता, पारदर्शिता और सक्रिय नेतृत्व की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। इसके बाद लखनऊ की कार्यवाहक जिलाध्यक्ष मीनाक्षी वर्मा ने सभी जनपद इकाइयों को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

"हम रेखा मिटाने में नहीं, नई रेखा बनाने में विश्वास करते हैं"

संरक्षक अजय कुमार ने कहा कि संगठन की शक्ति उसकी एकता में होती है। उन्होंने कार्यवाहक अध्यक्ष के. बख्श सिंह को संगठन का मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा कि उनकी सक्रियता से पत्रकारों की समस्याओं का समाधान होगा। कार्यवाहक अध्यक्ष के. बख्श सिंह ने कहा कि वे किसी बड़े वादे की बजाय सदस्यों की उम्मीदों, आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का ईमानदार प्रयास करेंगे और संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

केंद्रीय नेतृत्व का बड़ा ऐलान

संरक्षक एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ. अरविंद सिंह ने स्पष्ट किया कि विवाद की जड़ बने नवगठित ट्रस्ट को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जल्द ही उत्तर प्रदेश इकाई के चुनाव कराए जाएंगे, जो केंद्रीय पर्यवेक्षक और चुनाव अधिकारी की देखरेख में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष होंगे। लखनऊ इकाई की ओर से कार्यवाहक जिलाध्यक्ष मीनाक्षी वर्मा, महामंत्री श्यामल त्रिपाठी और कोषाध्यक्ष अभिनव श्रीवास्तव और संगठन मंत्री अनिल सिंह के नेतृत्व में प्रदेश भर से आए पदाधिकारियों का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर शिव सागर सिंह, पंकज सिंह चौहान, पूनम कुमारी, शिवेंद्र पाण्डेय, आलोक श्रीवास्तव, मनीषा सिंह, टीटू शर्मा, नागेंद्र सिंह, किरन सिंह, फरहान इराकी, रोलैंड डिसूजा, सचिन भार्गव, के.के. सिंह समेत बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

मदद फाउंडेशन ने हजारों श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की

प्रयागराज। मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर संगमनगरी प्रयागराज में आस्था के साथ–साथ सेवा का भी अद्भुत संगम देखने को मिला।

शहर की चर्चित सामाजिक संस्था मदद फाउंडेशन ने गंगा स्नान के लिए आए हजारों श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु निशुल्क भोजन एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था कर मानवता की मिसाल पेश की।

पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत यह सेवा अभियान झूसी स्थित चश्मा घर के पास संचालित किया गया, जहां दोपहर से ही स्नानार्थियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने प्रसाद स्वरूप भोजन ग्रहण कर संस्था के सेवा भाव की सराहना की।

इस पुनीत सेवा अभियान का नेतृत्व संस्था के संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी एवं मार्गदर्शक पंडित श्री कैलाश नाथ तिवारी (पूर्व प्रवक्ता, नागरिक इंटर कॉलेज जंघई) ने किया। उनके मार्गदर्शन में संस्था की समर्पित टीम ने पूरे अनुशासन और सुव्यवस्था के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं को भोजन एवं पेयजल उपलब्ध कराया।

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अजय सिंह, जिला अध्यक्ष अरविंद पांडेय, आशीष शर्मा,राष्ट्रीय महासचिव अमृता तिवारी, यश शर्मा, राजेंद्र पाल, पुनीत श्रीवास्तव सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी ने बताया कि मदद फाउंडेशन विगत कई वर्षों से निरंतर "रविवार की रसोई" अभियान के माध्यम से फुटपाथों पर जीवन यापन करने वाले निराश्रितों एवं जरूरतमंदों को निशुल्क भोजन एवं पानी उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि संस्था को किसी भी प्रकार का सरकारी अथवा गैर–सरकारी अनुदान प्राप्त नहीं होता, बल्कि सभी पदाधिकारी एवं सदस्य अपनी आय का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा समाजसेवा के लिए समर्पित करते हैं।

वहीं सक्रिय सदस्य यश शर्मा ने कहा कि आने वाले सभी प्रमुख स्नान पर्वों एवं धार्मिक आयोजनों पर भी श्रद्धालुओं के लिए इसी प्रकार सेवा कार्य जारी रहेगा।

मौनी अमावस्या जैसे महापर्व पर मदद फाउंडेशन की यह सेवा पहल न केवल श्रद्धालुओं के लिए राहत का माध्यम बनी, बल्कि समाज में सहयोग, संवेदना और मानवता का सशक्त संदेश भी देती नजर आई।

आई एन एस डी इन्टर नेशनल स्कूल ऑफ डिजाइनिंग का भव्य उदघाटन महापौर गणेश केशरवानी ने किया

प्रयागराज। आज इन्टरनेशनल स्कूल ऑफ डिजाइनिंग का शुभारम्भ सिविल लाइन्स स्थित होटल शहनशाह के द्वितीय फ्लोर में किया गया जिसका उद्घाटन सामारोह आज 20 जनवरी को बडे धूम धाम से किया गया जिसके चीफ गेस्ट ज्योतिषाचार्य विनोद कुमार ओझा रहे और गेस्ट आफ ऑनर के रूप के उमेश चन्द्र गणेश केशवानी महापौर प्रयागराज रहेस सर्वप्रथम डॉ सुशील सिन्हा ने इनका स्वागत किया तत्पश्चात पूजा सिन्हा शिब्या सिन्हा शिवम साहनी आर्यन सिन्हा जो कि इंस्टीट्यूट की ऑनर है ने बुक्के देकर उनका स्वागत सम्मान किया साथ में रीतू सिन्हा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ सिन्हा ने बताया कि पूजा सिन्हा ने यू. के. से अपनी पी एच डी पूरी की ही। डॉक्टर सिन्हा ने बताया कि इस प्छैक इंस्टिट्यूट में कुल चार बैच चलेगे। इंटीरियर डिज़ाइन, फैशन डिज़ाइन, ग्राफिक डिज़ाइन और ज्वेलरी डिज़ाइन। अभी तक ऐसे शिक्षा का प्रयागराज मे अभाव था। आएनएस डी प्रयागराज का प्रथम संस्थान है।

मणिकर्णिका घाट मंदिर मामले में विरोध प्रदर्शन आप नेताओं को पुलिस ने घसीटा

लखनऊ, संवाददाता। काशी के मणिकर्णिका घाट पर प्राचीन मंदिरों को तोड़े जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी ने लखनऊ में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस से उनकी तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस ने आप नेताओं और कार्यकर्ताओं को घसीट और टांगकर बस में बैठाया। उन्हें ईको गार्डन ले गए। पार्टी के जिला महासचिव ज्ञान सिंह कुशवाहा ने बताया कि यह सरकार हमारे इतिहास को मिटाना चाहती है। सरकार पुराने मंदिरों को मिटा रही है। हमारी संस्कृति पर सीधे तौर पर यह हमला कर रही है। यह सरकार अपना नया साम्राज्य गढ़ रही है। यह पूरी तरीके से हिंदू विरोधी सरकार है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह के निर्देश पर जिला पदाधिकारियों ने यह प्रदर्शन किया। आप का कहना है कि यह मामला केवल निर्माण या विकास का नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के सम्मान से जुड़ा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर धार्मिक स्थलों से की गई छेड़छाड़ स्वीकार्य नहीं है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय कराई जाएगी। पार्टी नेताओं ने कहा कि मणिकर्णिका घाट काशी की पहचान और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण प्रतीक है। यहां मौजूद प्राचीन मंदिरों के साथ किसी भी तरह की तोड़फोड़ से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। आप ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

है प्रयाग की बात

(छप्पय)

रुत ने बदला रंग हवाएँ गुन गुन करती।
बौराए हैं आम, मंजरी खुशबू भरती।
कोयल गाती गीत बैठ अमवा की डाली।
प्यारा लगे वसन्त,हृदय की कर रखवाली।
पावन विमल विचार का,प्यारा प्रेम निबन्ध है।
संबंधो के बीच जो,फूलों का मकरन्द है।।

है प्रयाग की बात, सभी को है जो भायी।
मिलते गले नक्षत्र, खुशी द्वारे पर आयी।
हँसकर कहता माघ,कहावत बिलकुल सच्ची।
अपने आये आज, बात लगती है अच्छी।
कोयल कहती शुभ घड़ी, शुक्ल पक्ष की भोर है।
माँ गंगे की है कृपा, घर–घर हुआ अँजोर है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सम्भव सुनवाई के दौरान नगर आयुक्त, श्री साई तेजा ने सुनी फरियाद

अतिक्रमण, नामान्त्रण, जन्म प्रमाण पत्र संशोधन, नाला–नाली मरम्म्त, सड़क गली मरम्मत, सीवर, पेयजल आदि की शिकायत प्राप्त हुई। सुनवाई के दौरान मा0 पार्षदों द्वारा भी अपने–अपने क्षेत्रों की समस्याओं को दर्ज कराया। नगर आयुक्त द्वारा समस्या का त्वरित निस्तारण कराया जाए।

प्रयागराज। नगर आयुक्त आईएएस श्री सीलम साईं तेजा ने आज दिनांक 20 जनवरी 2026 मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान शिकायत ले कर आये हुए फरियादियों की शिकायतो को सुना गया। इस जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें से अधिकांश शिकायतें अतिक्रमण, नामान्त्रण, जन्म प्रमाण पत्र संशोधन, नाला–नाली मरम्म्त, सड़क गली मरम्मत, सीवर, पेयजल आदि की शिकायत प्राप्त हुई। जनसुनवाई के दौरान श्री तेजा ने आम नागरिकों की

समस्याएं न केवल ध्यानपूर्वक सुनीं, बल्कि तत्काल समाधान के निर्देश भी दिए। जनसुनवाई में आई शिकायतें पेयजल तथा सड़क–नाली निर्माण तथा अतिक्रमण आदि से जुड़ी रहीं। नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पेयजल तथा नालों और नालियों की साफ–सफाई तथा जाम नालियों की शिकायत पर तत्काल नगर आयुक्त द्वारा कार्यवाही करवाते हुए शिकायत का निस्तारण का निर्देश दिए।

जोनल कार्यालय के सभी मा0 पार्षदगणें के साथ नगर आयुक्त द्वारा बैठक की गयी इस दौरान शहर में विभिन्न स्थानों चबूतरे, पेयजल, शौचालय/यूरिनल तथा शेड आदि की व्यवस्थाओं पर सुझााव लिए गये। प्रयागराज के वी0आई0पी0क्षेत्र में क्यूआरटी0 टीम की व्यवस्था किये जाने का अनुरोध किया जिससे साफ–साफई मार्गप्रकाश, मलवा, अतिक्रमण जैसी समस्या को तत्काल निस्तारण किया जा सके। जन सुनवाई के दौरान बैठक में अपर नगर आयुक्त श्री अरविन्द कुमार रॉय,मुख्य कर अधिकारी श्री पीके द्विवेदी,महाप्रबन्धक गौरव कुमार,नगर व्यवस्था अधिकारी,मुख्य अभियन्ता सिविल तथा विद्युत, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत, पशु कल्याण विभाग ,जलकल विभाग, सहित समस्त जोनल अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि./क.वि./प्रयागराज/ई-टेण्डर/2026/611 दिनांक: 17.01.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क.वि./उ.म.रे./प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

निविदा सं. : 230-क.वि.-कार्य ठेका-1000-2026, कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के पनकीधाम (PNKD) में 132 kV TR लाइन का संशोधन और स्थानांतरण का कार्य।

अनुमानित लागत : ₹ 3,71,90,089.97 | बिड सुरक्षा राशि : ₹ 3,36,000.00

कार्य अवधि : 12 महीना। | बोली प्रणाली : एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 09.02.2026, 14:00 बजे।

निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 09.02.2026, 15:00 बजे।

नोट:- (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेण्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 133/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 26/65 दिनांक: 16.01.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई. एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	50251373A	लीड एसिड सेकेंडरी सेल 2 वोल्ट 200 एएच	3758 नग	09.02.2026
2	50251372	लीड एसिड सेकेंडरी सेल 2 वोल्ट 120 एएच	1561 नग	12.02.2026
3	38251941	बॉडी साइड अरेंजमेंट कम्पलीट	146 नग	02.02.2026
4	20255019	सेट ऑफ सिलिंड्रिकल रोलर बियरिंग फॉर 3 फेज ट्रैक्शन मोटर टाइप 6 एफआरए 6068	96 सेट	09.02.2026
5	20255027	इलेक्ट्रो न्यूमेटिक कांटेक्टर (मोटर कांटेक्टर)	200 नग	10.02.2026
6	80254101D	एचएलपी-68N ग्रेड हाइड्रोलिक तेल	246288 लिटर	09.02.2026
7	80251046A	ग्रैफाइट पीस ग्रेड '0'	108416 किलो	19.02.2026
8	6325RC06	दिस इज टेन्डर टू इंटर इन्टू रेट कान्ट्रैक्ट फॉर मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ सीएमएस क्रॉसिंग 60 केजी. 1 इन 8.5 ड्राइंग संख्या टी-4967 एंड सीएमएस क्रॉसिंग 60 केजी 1 इन 12 ड्राइंग संख्या टी- 4220	714 Set.	16.02.2026
9	64255259	न्यूमेटिक वाल्व	3531 Set.	16.02.2026

नोट: उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 116/26(A)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

बेरोजगारी का दंश

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है, जिसमें गत दिसंबर में बेरोजगारी दर बढ़कर 4. 8 फीसदी होने की बात कही गई है। भारत दुनिया में युवाओं के देश के रूप में जाना जाता है। लेकिन हम इस युवा शक्ति का भरपूर उपयोग राष्ट्र विकास में नहीं कर पा रहे हैं। चिंता की बात यह भी है कि देश के शहरी क्षेत्र में पंद्रह वर्ष से अधिक आयुवर्ग के युवाओं में बेरोजगारी की दर गांवों के मुकाबले ज्यादा है। जहां शहरों में यह प्रतिशत बढ़कर 6.7 फीसदी हुआ है, वहीं ग्रामीण क्षेत्र में यह 3.9 फीसदी स्थिर है। हाल ही के वर्षों में बेरोजगारी देश में बड़ा मुद्दा रहा है, जो भारत जैसे विकासशील देश के हित में नहीं है। किसी भी अर्थव्यवस्था में विकास दर तभी सार्थक होगी, जब रोजगार के नये मौके उपलब्ध हो रहे हों। नीति–नियंताओं को आत्ममंथन करना होगा कि दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था में रोजगार के नये अवसर क्यों नहीं बन रहे हैं। सरकारें सुनिश्चित करें कि युवाओं को देश की तरक्की में योगदान देने का अवसर मिले। यदि बेरोजगारी की दर बढ़ रही है तो इसके मायने हैं कि संगठित और असंगठित क्षेत्र में नौकरी के मौके बढ़ नहीं रहे हैं। कहा जा रहा है कि औद्योगिक क्षेत्रों में एआई और डिजिटलीकरण के चलते भी नौकरियां घटी हैं। तो क्या हम इस चुनौती के लिये अपने युवाओं को तैयार कर रहे हैं?निश्चित रूप से देश के नीति–नियंताओं को मंथन करना चाहिए कि 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्किल इंडिया' जैसे अभियानों के जमीनी परिणाम उत्साहवर्धक क्यों नहीं हैं? युवाओं की कौशल विकास कार्यक्रमों में भागीदारी के बावजूद रोजगार के मौके क्यों नहीं बढ़ रहे हैं? क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था समय के साथ कदमताल नहीं कर पा रही है? विडंबना यह भी है कि बढ़ती आबादी के बावजूद सरकारी क्षेत्र की नौकरियां कम हो रही हैं। युवाओं की शिकायत होती है कि सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया में तमाम तरह की विसंगतियां व्याप्त हैं। वे परीक्षा प्रणाली पर भी सवाल उठाते रहे हैं। निस्संदेह, बढ़ती बेरोजगारी हमारे विकास के मापदंडों पर भी सवाल खड़ी करती है। निश्चित रूप से संतुलित आर्थिक विकास की सार्थकता के लिए जरूरी है कि देश में प्रति व्यक्ति आय बढ़े तथा आर्थिक असमानता भी दूर हो। तेज विकास दर के साथ लोगों के जीवन में खुशहाली भी आनी चाहिए। रोजगार के अवसर बढ़ने से ही समाज में खुशहाली आ सकती है। जब देश में रोजगार के मौके बढ़ेंगे तो समाज में वास्तविक समृद्धि आ सकती है। रोजगार के अवसर बढ़ने से उत्पादकता बढ़ेगी और महंगाई पर नियंत्रण पाने में भी मदद मिलेगी। निस्संदेह, बढ़ती क्रय शक्ति भी अर्थव्यवस्था को गति देती है। निर्विवाद रूप से बेरोजगारी कम किए बिना हम देश के सौ साल पूरे होने तक विकसित भारत का लक्ष्य मुश्किल से हासिल कर पाएंगे। हमें एआई व डिजिटल चुनौती के मुकाबले के लिए युवाओं का कौशल विकास तेज करना चाहिए।

हिमाचल में हिम अकाल खतरे का संकेत

प्रेम शर्मा

अक्सर प्रकृति के संतुलन बिगाड़ने के विनाशकारी परिणाम सामने आते है। बेमौसम बारिश, सूखा, बाढ़, ग्लोबल वार्मिंग और अन्य प्राकृतिक आपदाएँ इसके घातक परिणाम है। इंसान के लालच और अंधाधुंध दोहन का नतीजा, प्रकृति के नियमों को तोड़ने पर होने वाले प्रलय या असंतुलन को दर्शाता है, जिसके कारण मानव जाति को भयानक परिणाम भुगतने पड़ते है।प्रकृति एक नाजुक संतुलन पर टिकी है, और इंसान जब अपने स्वार्थ के लिए इस संतुलन को बिगाड़ता है, तो प्रकृति अपना हिसाब बराबर करती है। अब हिमाचल प्रदेश में हिम अकाल एक गंभीर खतरे के रूप में हमारे सामने है। जो कम बर्फबारी, तापमान वृद्धि और वर्षा पैटर्न में बदलाव के कारण बन रहा है, जिससे जल स्रोतों, कृषि और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान हो रहा है और निकट भविष्य में पारिस्थितिक आपदा की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि नदियाँ सूख रही हैं और जमीन का सुरक्षा कवच कमजोर हो रहा है, जिससे सूखा, आग और अन्य आपदाओं का खतरा बढ़ रहा है। ज्ञात हो कि 1990 के दशक की तुलना में शिमला में बर्फबारी लगभग 37 प्रतिशत कम हो गई है, यही नही दिसंबर 2022, 2023, 2024 पूरी तरह सूखे रहे हैं। ऊंचे पहाड़, बुग्याल (घास के मैदान) और प्रसिद्ध

तीर्थ स्थल (जैसे केदारनाथ, औली) बर्फ के बजाय सूखे और वीरान दिख रहे हैं। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ के बजाय हल्की कोहरे की परत जम रही है, जिससे वनस्पति और मिट्टी को नुकसान हो रहा है। नाजुक जैव–नेटवर्क और वन्यजीवों पर विपरीत असर पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें नमी नहीं मिल पा रही है। ऐसे में ग्राउंडवाटर रिचार्ज नहीं हो रहा, नदियां सूख रही हैं और रबी फसलों को नमी नहीं मिल पा रही है।पर्यटन, कृषि और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ रहा है, जिससे सूखे की स्थिति बन सकती है। सर्दियों में बर्फ और बारिश लाने वाले ये सिस्टम कमजोर पड़ रहे हैं।जलवायु परिवर्तन इसका मुख्य कारण है, जिससे मौसम का संतुलन बिगड़ रहा है। बर्फबारी और बारिश लेटलतीफी से आपदाओं को नकारा नही जा सकता। हिमाचल में प्रकृति का जो रूप दिख रहा है उसके परिणाम स्वरूप सूखे के कारण आग लगने और अकाल की स्थिति पैदा हो सकती है, जिससे जल संसाधनों पर दबाव बढ़ेगा। कुल मिलाकर, हिमाचल में कम बर्फबारी सिर्फ एक मौसम की विसंगति नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन और हिम अकाल का संकेत है, जो पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। वैसे भी देश इस सर्दी एक असामान्य और चिंताजनक दौर से गुजर रहा है। वैसे तो दिसंबर और जनवरी के महीनों में हिमालयी राज्यों में बारिश और बर्फबारी से पहाड़ ढक जाते हैं। इस बार स्थिति इसके ठीक विपरीत है। मौसम विभाग आंकड़े बताते हैं कि उत्तराखंड में दिसंबर और जनवरी में एक बूंद बारिश नहीं हुई, हिमाचल प्रदेश में दिसंबर 1901 के बाद यानी पिछले सवा सौ सालों में छठी सबसे कम बारिश दर्ज की गई। जम्मू–कश्मीर में जनवरी में बेहद कम बारिश और बर्फबारी हुई है। इसके परिणाम स्वरूप इस सर्दी हिमालय की चोटियां असामान्य रूप से बिना बर्फ की नजर आई।यह केवल मौसमीय विचलन नहीं, बल्कि जल सुरक्षा, कृषि उत्पादकता, जंगलों में आग और जलवायु अनिश्चितता से जुड़ा गंभीर संकेत हैं। हिमालय चुपचाप चेतावनी दे रहा है, ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या पहाड़ों की वेदना सुन, समझ पा रहे हैं ? जनवरी के पहले पखवाड़े में देश को सामान्य से चार गुना कम बारिश मिली. इस अवधि में जहां सामान्य तौर पर जितनी बारिश होनी चाहिए थी, उसका एक–चौथाई से भी कम दर्ज किया गया। सबसे गंभीर स्थिति उत्तर–पश्चिम भारत की रही। जबकि इस अवधि में जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के साथ–साथ पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश सिर्फ 8 प्रतिशत बारिश ही हो पाई। देहरादून के निदेशक सी. एस. तोमर बता चुके है कि उत्तराखंड में पिछले एक दशक से सर्दियां लगातार सूखी होती जा रही हैं। उनके अनुसार पिछले 10 वर्षों में चार बार ऐसा हुआ है जनवरी में न के बराबर बारिश हुई। उनके अनुसार यह अब कोई अपवाद नहीं, बल्कि एक नया ट्रेंड बनता जा रहा है। 2024–25 की सर्दियों में उत्तर–पश्चिम भारत में 96 प्रतिशत तक बारिश की कमी बेहद चिंताजनक है। वैसे तो सामान्य तौर पर सर्दियों में उत्तर और उत्तर–पश्चिम भारत में पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्की से मध्यम बारिश होती है। यही बारिश गेहूं, सरसों, चना के लिए जीवनरेखा मानी जाती है। पहाड़ों में बर्फ और बारिश भूजल भंडार को रिचार्ज करती है. नदियों को गर्मियों तक पानी देने में यही बर्फ पिघलकर अहम भूमिका निभाती है। लेकिन इस बार यही प्रक्रिया कमजोर पड़ती दिख रही है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस सर्दी पश्चिमी विक्षोभ तो आए, लेकिन असर नहीं दिखा पाए। दिसंबर में जहां सामान्य तौर पर 6 पश्चिमी विक्षोभ आते हैं, इस बार 8 सिस्टम गुजरे, लेकिन बारिश नहीं करा सके। इसके पीछे कई कारण में पश्चिमी विक्षोभ में नमी की कमी, कम दबाव का क्षेत्र (ट्रफ) उथला होना शामिल है। इन्ही कारणों से नमी ऊपर नहीं उठ पाई, सिस्टम का उत्तर की ओर ऊंचे अक्षांशों में गुजरना, जिससे कश्मीर और हिमाचल में थोड़ी नमी गिरी, लेकिन उत्तराखंड तक पहुंच ही नहीं पाई और भारत पहुंचते–पहुंचते सिस्टम की गति कमजोर पड़ गई, जिससे उसका ठहराव कम हो गया। यह परिवर्तन इतना विस्तृत रहा कि भारत के साथ–साथ नेपाल में भी सूखी सर्दी देखने को मिल रही है। यह इस बात का संकेत है कि यह समस्या सिर्फ स्थानीय नहीं, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र में फैली जलवायु अस्थिरता का हिस्सा है। अब तक अनुभवों के आधार पर कहा जाता है कि अगर दिसंबर में बर्फ गिरे, तो वह लंबे समय तक जमीन में नमी बनाए रखती है। पिघलाव धीमा होता है, जिससे खेतों और जंगलों को फायदा मिलता है। लेकिन जब बर्फ फरवरी में गिरती है, तब दिन और रात के तापमान में भारी अंतर कारण लंबे समय तक नमी नहीं टिक पाती और आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। आंकड़ों के मुताबिक उत्तराखंड में 1 नवंबर से अब तक 1,600 से ज्यादा फायर अलर्ट मिले जबकि हिमाचल प्रदेश में 600 और जम्मू–कश्मीर में करीब 300 आए। नंदा देवी नेशनल पार्क और वैली ऑफ फ्लावर्स जैसे संवेदनशील इलाकों में आग की घटनाएं सामने आई हैं। वनभूमि में नमी की कमी इसकी सबसे बड़ी वजह रही। वैसे भी हिमालयी ग्लेशियर पहले ही लगातार सिकुड़ रहे हैं अब अगर सर्दियों की बर्फबारी घटती है, तो संकट और गहरा सकता है। जहां बर्फ जमती और पिघलती है, उसका संतुलन बिगड़ जाएगा। जलवायु पैटर्न में आ रहे बदलाव हैं। चेतावनी साफ है, हिमालय की सूखी सर्दी सिर्फ यह संकेत है आने वाले जल संकट का, कृषि उत्पादन में गिरावट का, जंगलों और जैव विविधता पर खतरे का और भविष्य में अचानक बाढ़ और आपदाओं का कारक साबित होगा। अगर सर्दियों की बारिश और बर्फबारी इसी तरह अनिश्चित होती गई, तो इसका असर मैदानी इलाकों से लेकर महानगरों तक महसूस होगा।

दुनिया से जाने के बाद की जिंदगी का डिजिटल अवतार

एआई का प्रयोग करके मृतकों को पुनःजीवित किया जा रहा है ताकि परिजनों को दिलासा दिया जा सके। ग्रीफबोट्स वह एआई सिस्टम्स हैं जो मृत व्यक्ति के व्यक्तित्व, बोलने के अंदाज और व्यवहार का अनुकरण (सिमुलेट) करते हैं। इन्हें सांत्वना देने वाले टूल्स के रूप में मार्किट किया जा रहा है। एआई टेक्नोलॉजी मृतक की हूबहू कापी, आवाज और भाव बना देती है, जिससे परिवार वर्चुअली मृतक से मिलकर बात कर सकता है। हालांकि इसके उपयोग के औचित्य पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। सिग्मंड फ्रायड ने कहा था कि इंसानों को अपने अमर होने का यकीन है। इसलिए मौत पर चर्चा करना आम तौर पर भयावह, घृणास्पद, विकट और रोग समझा जा सकता है। जब से टेक्नोलॉजी ने मरने की प्रक्रिया को दीर्घ व जटिल बनाया है तब से यह लेखिका अच्छी मौत के कारणों पर विचार कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को ध्यान में रखते हुए कि सम्मान के साथ मरना मौलिक अधिकार है, मौत की गुणवत्ता के महत्व पर ध्यान दिया जाना स्वाभाविक ही होगा। अच्छी मौत में रोगी की इच्छाओं का संज्ञान लिया जाता है कि उसकी उपचार संबंधी प्राथमिकताएं क्या हैं, उसे जिंदगी और मौत की कैसी गुणवत्ता चाहिए व इसके साथ ही उसके सम्मान को भी बरकरार रखा जाये। आज मौत का अर्थ है जीवन का अंत। लेकिन अल्फा पीढ़ी के लिए यह कुछ अलग हो सकता है। इस नयी जेनरेशन के लिए परम्परागत जीवन के अंत के बाद अनंत डिजिटल जीवन एक विकल्प हो सकता है। मसलन, ग्रीफबोट्स वह एआई सिस्टम्स हैं जो मृत व्यक्ति के व्यक्तित्व, बोलने के अंदाज और व्यवहार का अनुकरण (सिमुलेट) करते हैं। इसके तहत वर्चुअल ह्यूमनोइड अवतार को ट्रेन किया जाता है कि वह टेक्स्ट मैसेज, ईमेल, सोशल मीडिया पोस्ट्स और वीडियोज तैयार करे व भेजे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जितना अधिक डाटा सप्लाई किया जायेगा उतना ही वास्तविक अवतार होगा। इस डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से उपयोगकर्ता यानी यूजर अपने प्रियजन के डिजिटल वर्जन को देख व सुन सकेंगे और उससे बातें भी कर सकेंगे। बातचीत करने वाला एआई इमेज सिंथेसिस व वॉइस क्लोनिंग का प्रयोग करता है। डिजिटल जुड़वां बनाने के लिए वह रियल–टाइम में प्राकृतिक भाषा व भावनाओं के साथ प्रतिक्रिया करता है। यहां उल्लेखनीय है कि प्रोजेक्ट दिसम्बर, हियरआफ्टर एआई और स्टोरीफाइल जैसे प्लेटफॉर्म्स ग्रीफबोट का अनुभव प्रदान करते हैं। ग्रीफबोट्स को मृत व्यक्ति के परिजनों को सांत्वना देने वाले टूल्स के रूप में मार्किट किया जा रहा है। लोग अपने प्रियजनों की मौत को स्वीकार नहीं कर पाते हैं। वह चाहते हैं कि जीवन जैसे डिजिटल अवतार से निरंतर संपर्क में रहें। लेकिन इसके लम्बे समय तक प्रयोग करने से भावनात्मक उपचार बाधित हो सकता है, जिससे अस्वस्थ निर्भरताएं उत्पन्न हो सकती हैं। ग्रीफबोट्स से मृतक के सम्मान को सुरक्षित रखने के संदर्भ में सवाल उठते हैं। गलत प्रतिनिधित्व और मौत से पहले मंजूरी न लेने से चिंताएं उत्पन्न होती हैं। निजता के मानकों का सख्ती से पालन करना कठिन है और साथ ही देयता, जिम्मेदारी व जवाबदेही को भी। मौत के बाद डिजिटल जीवन को डिजिटल आफ्टर लाइफ, डिजिटल इम्मोर्टलिटी, वर्चुअल इम्मोर्टलिटी व भौतिक मृत्यु के बाद व्यक्ति की स्थायी ऑनलाइन उपस्थिति कहा जाता है। आज व्यक्ति के व्यक्तित्व, यादों और चेतना को डिजिटल प्लेटफार्म (कंप्यूटर, ह्यूमनोइड या साइबरस्पेस) पर स्टोर या क्लोन करना संभव है। मूल व्यक्ति की अवतार नकल वर्चुअल वातावरण में 'अनंत जीवन' को मुमकिन बनाती है। इस विविधता को प्रभावी बनाने के लिए इसमें मूल्यों, आस्थाओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को शामिल करना आवश्यक है। रोगियों पर एआई आधारित निर्णयों का भावनात्मक व मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ना चिंता का विषय है। ग्रीफबोट्स का जिस तेजी से व्यवसायीकरण हो रहा है वह जिम्मेदारी भरे डिप्लॉयमेंट, शोध व नियमों को पीछे छोड़ रहा है। ग्रीफबोट्स वास्तविकता व कल्पना के बीच की रेखा को धुंधला कर सकता है, जिससे नुकसान को स्वीकार करके आगे बढ़ने की प्राकृतिक प्रक्रिया बाधित हो सकती है। 'रि–मेमोरी' एआई–आधारित स्मृति–सेवा (दिवंगत व्यक्ति को श्रद्धांजलि देने और उसकी यादों को सम्मान देने के लिए आयोजित कार्यक्रम) है, जिसे डीपब्रेन एआई ने विकसित किया है, जिससे जिंदा लोग अपने मृत प्रियजनों के अति वास्तविक डिजिटल अवतार से संपर्क कर सकते हैं। एडवांस्ड एआई टेक्नोलॉजी मृतक की हूबहू कॉपी, आवाज और भाव बना देती है, जिससे दुखी परिवार वर्चुअल सेटिंग में मृतक से 'मिल' सकता है व बातें कर सकता है।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

दीपक तब तक ही जले, जब तक उसमे तेल।
माया का संसार है, माया का सब खेल।।
माया का सब खेल, ढूढ़ते खुशियाँ इससे।
माया के सब दास, चैन सब खोया जिससे।।
कहती रचना आज, इसे बस समझों कीचक।
कर देगा बर्बाद, बुझे यह जिस दिन दीपक।।

माया के सब दास है, माया का संसार।
माया से जो दूर है, नौका उसकी पार।।
नौका उसकी पार, मोह का बंधन टूटा।
वह मानव है तृप्त, दर्प से नाता छूटा।।
कहती रचना आज, भाग्य का सबने पाया।
सच केवल है कर्म, झूठ सब जग की माया।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

निर्यात में उत्तराखण्ड की उपलब्धि

मौजूदा समय में जब वैश्विक व्यापार कूटनीति का बड़ा आधार बन गया है, तब निर्यात के क्षेत्र में उपलब्धि बहुत मायने रखती है। अमेरिका जैसा देश टैरिफ नीति से कई देशों पर दबाव बना रहा हैं। भारत भी इसमें शामिल है जिस पर आयात शुल्क 25 फीसद बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। ऐसे में निर्यात को बढ़ाना तभी संभव है जब सामान की गुणवत्ता उच्च कोटि की हो। उत्तराखण्ड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने छोटे राज्य की श्रेणी में निर्यात की तैयारी में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह जानकारी प्रदेश की सरकार की तरफ से नहीं दी गयी है बल्कि देश के नीति आयोग ने निर्यात तैयारी सूचकांक–2024 जारी करके बताया कि छोटे राज्यों की श्रेणी में उत्तराखण्ड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उत्तराखण्ड में मुख्यमंत्री धामी ने जैविक खेती को सबसे ज्यादा प्रोत्साहन दिया। जैविक उत्पाद की गुणवत्ता देश–विदेश में सराही जाती है। निर्यात को आर्थिक विकास का इंजन कहा जाता है क्योंकि इससे विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है। विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ने से व्यापार घाटा कम किया जा सकता है। इस प्रकार धामी सरकार ने निर्यात में वृद्धि करके न सिर्फ अपने राज्य को समृद्ध किया है बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ करने में बड़ा योगदान किया है।

अभी गत दिवस (15 जनवरी) नीति आयोग की ओर से जारी निर्यात तैयारी सूचकांक 2024 में उत्तराखंड ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। छोटे राज्यों की श्रेणी में उत्तराखंड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि को हासिल कर इस पहाड़ी राज्य ने देश भर में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। यह उपलब्धि पुष्कर सिंह धामी सरकार की एक्सपोर्ट ओरिएंटेड नीतियों, बेहतर कारोबारी माहौल और सुदृढ़ बुनियादी ढांचे का परिणाम मानी जा रही है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसका श्रेय राज्य की जनता को दिया है। उन्होंने इस उपलब्धि पर प्रदेश वासियों को बधाई देते हुए कहा कि नीति आयोग के निर्यात तैयारी सूचकांक 2024 में छोटे राज्यों की श्रेणी में उत्तराखंड का शीर्ष स्थान प्राप्त करना राज्य के लिए गर्व का विषय है। यह हमारी सरकार की उद्योग समर्थक नीतियों, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और निर्यात को बढ़ावा देने की सतत कोशिशों का परिणाम है। हमारा लक्ष्य है कि उत्तराखंड के प्रत्येक जिले के विशिष्ट उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई जाए, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ें और राज्य की अर्थव्यवस्था और सशक्त हो। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, निर्यात आर्थिक विकास का प्रमुख इंजन है। इससे न केवल विदेशी मुद्रा अर्जित होती है, बल्कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भागीदारी बढ़ती है और व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिलती है। उत्तराखंड का यह शीर्ष स्थान राज्य को निवेश और औद्योगिक विकास के नए अवसरों की ओर ले जाने वाला कदम माना जा रहा है। उत्तराखण्ड को सतत विकास की तरफ ले जाने का संकल्प लेते हुए मुख्यमंत्री धामी ने देहरादून की विधानसभा में कहा था पतवार चलाते जाएंगे, मंजिल आएगी.. आएगी.. इन शब्दों के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने करीब एक घंटे से ज्यादा चले संबोधन को समाप्त किया था। उत्तराखंड स्थापना की रजत जयंती वर्ष को लेकर आहुत विधानसभा के विशेष सत्र में उन्होंने यह भाषण दिया इस मौके पर उन्होंने जहां उत्तराखंड की स्थापना को लेकर चले आंदोलन और संघर्ष की पृष्ठभूमि का जिक्र किया वहीं पिछली और मौजूदा सरकार की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड आज अनेक क्षेत्रों में देश का अग्रणी राज्य बनकर उभर रहा है। उपलब्धियों का जिक्र करते हुए सीएम धामी ने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि नीति आयोग द्वारा वर्ष 2023–24 के 'विकास लक्ष्यों की प्राप्ति सूचकांक' में देवभूमि उत्तराखंड को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इकोसिस्टम का समग्र आकलन करने वाला उत्तराखंड भारत का पहला राज्य बन चुका है। यह हमारे लिए प्रसन्नता की बात है कि राज्य की बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय कमी आई है। वित्तीय प्रबंधन सूचकांक में भी उत्तराखंड ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। साथ ही, देश के हिमालयी राज्यों में सबसे तेजी से विकास करने वाले राज्यों की श्रेणी में उत्तराखंड को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। सीएम धामी ने सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी सरकार के निरंतर प्रयासों का परिणाम है कि उत्तराखंड ने किसानों की आय वृद्धि दर में पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। हमारी 'कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट' राष्ट्रीय औसत से चार गुना अधिक रही है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उत्तराखंड में सड़क कनेक्टिविटी के क्षेत्र में ऐतिहासिक और अभूतपूर्व कार्य किए गए, जिससे राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों तक विकास की पहुंच सुदृढ़ हुई है। आज हमारी सरकार के सटीक फैसलों और दृढ़ निर्णय क्षमता के परिणामस्वरूप आबकारी एवं खनन जैसे विभागों से पहले की तुलना में कई गुना अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है। हमारी सरकार द्वारा स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन उत्पादों का बढ़ता विपणन स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त कर रहा है। उत्तराखंड के पहाड़ों में अपनाई जाने वाली बारहनाजा पद्धति एक यूनिक खेती सिस्टम है, जिसमें 12 से ज्यादा फसलें एक साथ बोई जाती हैं। यह परंपरा किसानों को पोषण, सुरक्षा और मुनाफा देती हैमुश्किल हालात में भी उत्तराखंड के किसान एक ऐसी खेती पद्धति को जिंदा रखे हुए हैं, जो न सिर्फ उनके लिए सहारा है बल्कि आज पूरी दुनिया के लिए सीख बन गई है। इस पद्धति का नाम है बारहनाजा। बारहनाजा का सीधा मतलब है बारह अनाज, लेकिन असल में ये सिर्फ 12 तक सीमित नहीं है।

रश्मिका मंदाना ने बताई सिकंदर की असफलता की वजह, कहा- फिल्म बनते समय कई चीजें बदल गईं

साउथ से लेकर बॉलीवुड तक पहचान बना चुकी एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को पिछली बार साल 2025 में सलमान खान स्टारर सिकंदर में देखा गया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई और फ्लॉप साबित हुई। वहीं, अब हाल ही में रश्मिका ने एआर मुरुगादोस द्वारा निर्देशित सिकंदर की असफलता पर अपनी राय पेश की है। रश्मिका मंदाना ने हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्म सिकंदर के फ्लॉप होने का मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि जब उन्हें सिकंदर की स्क्रिप्ट सुनाई गई थी, तब वह बहुत अच्छी लगी, लेकिन बाद में फिल्म बनते समय कई चीजें बदल गईं, जैसे कि अभिनय, एडिटिंग और रिलीज के समय के हिसाब से कहानी अलग हो गई। रश्मिका ने कहा, फिल्मों में ऐसा आमतौर पर होता है। जो सुना जाता है, वह अलग होता है और बनने के बाद और अलग हो जाता है। काम की बा करें तो अब रश्मिका जल्द ही शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ कॉकटेल 2 में नजर आएंगी। इसके अलावा, वे तेलुगु फिल्म मैसा पर भी काम कर रही हैं।

> “
> उन्होंने कहा कि जब उन्हें सिकंदर की स्क्रिप्ट सुनाई गई थी, तब वह बहुत अच्छी लगी, लेकिन बाद में फिल्म बनते समय कई चीजें बदल गईं, जैसे कि अभिनय, एडिटिंग और रिलीज के समय के हिसाब से कहानी अलग हो गई।

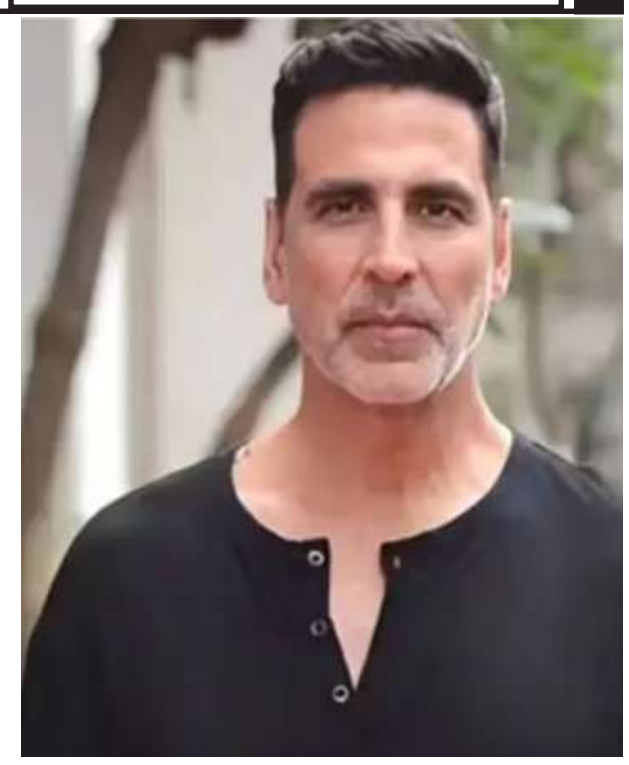

लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज, बीती रात हुआ था हादसा

बीती रात अक्षय कुमार के सुरक्षा काफिले में चल रही एक कार और ऑटो की टक्कर हो गई थी, जिससे कार पलट गई थी। अब मुंबई पुलिस ने इस मामले में तेज रफ्तार कार के चालक को हिरासत में ले लिया है। जुहू पुलिस स्टेशन ने कार चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया है। दरअसल, सोमवार रात जुहू में तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने एक ऑटो–रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी। इससे ऑटो–रिक्शा पलट गया और बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के सुरक्षा काफिले में चल रही कार से जा टकराया। मुंबई पुलिस के अनुसार, दो कारों और एक ऑटो–रिक्शा की टक्कर में दो लोग घायल हो गए। आरोपी की पहचान राधेश्याम राय के रूप में हुई है। अब पुलिस ने उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125(ए) और 125(बी) के तहत मामला दर्ज किया है। इस बीच दुर्घटनास्थल से वीडियो ऑनलाइन सामने आए हैं, जिनमें स्थानीय लोग अधिकारियों को मलबे से एक घायल व्यक्ति को सुरक्षित निकालने में मदद करते हुए दिखाई दे रहे हैं। ऑटो–रिक्शा चालक को भी चोटें आई हैं और उसके भाई के अनुसार उसकी हालत गंभीर है। ऑटो–रिक्शा चालक के भाई मोहम्मद समीर ने एएनआई को बात करते बताया कि यह पूरी घटना सोमवार 19 जनवरी की रात करीब 8रू30 बजे घटी। मेरे भाई का रिक्शा पूरी तरह से नष्ट हो गया। उसकी हालत गंभीर है। हमारी बस यही गुजारिश है कि मेरे भाई को उचित चिकित्सा उपचार, आवश्यक दवाइयां मिलें और क्षतिग्रस्त रिक्शा के लिए मुआवजा दिया जाए। अक्षय कुमार ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

भारतीय पुरुषों को लेकर पाकिस्तानी एक्ट्रेस ने कह दी ये बड़ी बात, सोशल मीडिया पर छिड़ गई बहस

सोशल मीडिया पर एक कथित पाकिस्तानी अभिनेत्री का वीडियो इन दिनों काफी चर्चा में है। इस वीडियो में महिला ने एयरपोर्ट के इमिग्रेशन काउंटर पर हुई एक अनौपचारिक बातचीत का जिक्र किया है। वीडियो सामने आते ही इंटरनेट पर बहस शुरू हो गई कि क्या ड्यूटी के दौरान इस तरह की हल्की–फुल्की बातचीत उचित है या नहीं। वीडियो में खुद को अभिनेत्री बताने वाली नाजिया सनम नाम की महिला ने दावा किया कि जब वह एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन काउंटर पर पहुंचीं, तो वहां मौजूद अधिकारी ने उनसे दोस्ताना और मजाकिया अंदाज में बात की। महिला के अनुसार, जैसे ही अधिकारी को पता चला कि वह कराची से हैं, उन्होंने उर्दू में बातचीत शुरू कर दी। नाजिया का कहना है कि अधिकारी ने उनके पहनावे को देखकर उनसे पूछा कि क्या वह केबिन क्रू में काम करती हैं। जब उन्होंने इससे इनकार किया, तो अधिकारी ने मजाक करते हुए कहा कि जब तक वह अपना पेशा नहीं बताएंगी, तब तक उन्हें इंतजार करना पड़ेगा। महिला का दावा है कि बातचीत के दौरान अधिकारी ने यह भी कहा कि वह कुछ अलग और खास लगती हैं, जिस पर उन्होंने भी हंसी–मजाक में जवाब दिया। इस वीडियो को नाजिया सनम ने अपने एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट से शेयर किया है, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, श्पाकिस्तानी लड़कियों के दीवाने हैं भारतीय।श इसके बाद से ही वीडियो पर यूजर्स की मिली–जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इस बातचीत को सामान्य, मानवीय और हल्के–फुल्के अंदाज की बातचीत बता रहे हैं। वहीं कई यूजर्स का कहना है कि इमिग्रेशन जैसे संवेदनशील और जिम्मेदार विभाग में तैनात अधिकारियों को पूरी तरह पेशेवर व्यवहार बनाए रखना चाहिए। सोशल मीडिया पर यह वीडियो अब शिष्टाचार, पेशेवर जिम्मेदारी और निजी व्यवहार को लेकर बहस का विषय बना हुआ है।

रहमान के बाद फिल्ममेकर हनी त्रेहान का विवादित बयान, बोले- अल्पसंख्यक समुदाय के रियल लाइफ हीरोज को

बीते दिनों संगीतकार एआर रहमान के एक इंटरव्यू ने फिल्म इंडस्ट्री में नए विवाद को जन्म दिया। उन्होंने बॉलीवुड पर सांप्रदायिकता से प्रभावित होने की बात कही। इस मामले पर कुछ लोगों ने रहमान का विरोध किया, तो कोई सपोर्ट में दिखा। इसी बीच फिल्ममेकर हनी त्रेहान का एक पुराना इंटरव्यू चर्चा में आ गया। वह भी रहमान जैसी बात करते ही दिखे। एआर रहमान के बाद अब कास्टिंग डायरेक्टर और फिल्ममेकर हनी त्रेहान बॉलीवुड पर आरोप लगाया है कि यहां के लोग अल्पसंख्यक समुदाय के व्यक्तियों को लीड रोल में नहीं देखना चाहते हैं। हनी त्रेहान ने स्क्रीन को दिए अपने इंटरव्यू में कहा, 'आज फिल्मी दुनिया बहुत बदल चुकी है। यहां बहुत से ऐसे ए लिस्ट एक्टर्स हैं, जिन्हें बहुसंख्यक समाज से जुड़े किरदार दिए जाते हैं। मैं भी ऐसी एक फिल्म का हिस्सा था, जो की एक वास्तविक अल्पसंख्यक समाज से आने वाले व्यक्ति की जिंदगी से पर थी। बड़ी बजट की फिल्म और बड़ी स्टार कास्ट होने के कारण इसका किरदार बहुतसंख्यक समाज से आने वाले व्यक्ति का कर दिया गया।' वह आगे कहते हैं, 'आज भी समाज में लोग सिख, मुस्लिम, ईसाइ धर्म जैसे अल्पसंख्यक समुदाय के रियल लाइफ हीरोज को बड़े पर्दे पर नहीं देखना चाहते हैं। मैं यह नहीं कहता की मेकर्स ऐसा नहीं चाहते हैं। लेकिन आज जो भी हो रहा है उसे देखकर मुझे ऐसा ही लगता है कि फिल्ममेकर्स किसी को खुश करने के मकसद से फिल्म बनाते हैं।'

पत्नी अपर्णा यादव से तलाक लेंगे प्रतीक यादव! भव्य शादी में कपल को आशीर्वाद देने पहुंचे थे अमिताभ और जया बच्चन

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के छोटे भाई और दिवंगत मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव इस वक्त अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। प्रतीक और उनकी पत्नी अपर्णा यादव के बीच तलाक होने जा रहा है। इस बात की जानकारी खुद प्रतीक यादव ने सोशल मीडिया के जरिए दी है, जिससे सोशल मीडिया पर हलचल मच गई है। प्रतीक और अपर्णा की शादी को उत्तर प्रदेश की सबसे भव्य और चर्चित शादियों में गिना जाता है। उनकी शादी में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और जया बच्चन भी कपल को आशीर्वाद देने पहुंचे थे। प्रतीक यादव ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट की, जिसमें उन्होंने लिखा– मैं अपर्णा को जल्द से जल्द तलाक देने जा रहा हूं। उन्होंने मेरे परिवार के रिश्ते खराब कर दिए। बस मशहूर और असरदार बनना चाहती हैं। अभी, मेरी मेंटल हेल्थ बहुत खराब है। लेकिन, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि उन्हें सिर्फ अपनी ही चिंता है। मैं बदकिस्मत था कि मेरी शादी उनसे हुई।

पति जय के बर्थडे पर जूही चावला ने लिया 1000 पेड़ लगाने का संकल्प, शुभकामनाएं देते हुए लिखा–ऐसा दोस्त हर किसी को..

बॉलीवुड एक्ट्रेस जूही चावला भले ही अब फिल्मों में नजर नहीं आती, लेकिन वो सोशल मीडिया की दुनिया में काफी एक्टिव रहती हैं। आज जूही के पति जय मेहता का बर्थडे हैं। ऐसे में इस खास अवसर पर एक्ट्रेस ने अपने पति के लिए एक खास पोस्ट शेयर किया है और साथ ही एक बड़ा संकल्प लिया है, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर रिवील किया है। जूही ने अपने इंस्टाग्राम पर पति जय मेहता के साथ कई शानदार और प्यारी तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, वह जीते हैं, हंसते हैं और सबको साथ लेकर चलते हैं। ऐसा दोस्त हर किसी को मिल सकता है। मैं बहुत भाग्यशाली हूं.. जन्मदिन मुबारक हो जय... 1000 पेड़।श इसमें उन्होंने 1000 पेड़ों का जिक्र किया, यानि एक्ट्रेस ने जय के जन्मदिन पर 1000 पौधे लगाने का फैसला किया है। बता दें, यह पहली बार नहीं, जब जूही ने यूं पति के बर्थडे पर पौधे लगाने का संक्लप लिया हो। इससे पहले वो अपने दोस्त और एक्टर शाहरुख खान और अपने बेटे के जन्मदिन पर भी कई पेड़ लगा चुकी हैं। बता दें, जूही और जय की शादी 1995 में बहुत सादगी से की थी। उनके दो बच्चे हैं– बेटी जाह्नवी मेहता और बेटा अर्जुन मेहता, जिनके साथ वह अक्सर तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

वेट लॉस से लेकर पाचन तक में फायदेमंद है चीकू, रोजाना खाने से मिलेंगे कई गजब के फायदे

वेट कंट्रोल करने के लिए एक्सरसाइज के साथ ही हेल्दी डाइट लेना जरूरी होता है। क्योंकि हेल्दी डाइट लेने से आपका वजन कम होने के साथ बैली फैट भी कम होता है। ऐसे में आप चीकू का सेवन कर सकते हैं, यह शरीर के लिए फायदेमंद माना जाता है।

आज के समय में मोटापा एक बड़ी समस्या बनकर उभरा है। मोटापे के कारण व्यक्ति कई तरह की बीमारियों से घिर जाता है। जहां बहुत सारे लोग वजन को कंट्रोल करने के लिए घंटो जिम में पसीना बहाते हैं, तो वहीं कुछ लोग डाइट फॉलो करते हैं। लेकिन कई जतन करने के बाद भी वजन कम होने का नाम ही नहीं लेता है। तो आपको बता दें कि वेट कंट्रोल करने के लिए एक्सरसाइज के साथ ही हेल्दी डाइट लेना जरूरी होता है। क्योंकि हेल्दी डाइट लेने से आपका वजन कम होने के साथ बैली फैट भी कम होता है। क्या आप जानते हैं कि वेट लॉस के लिए आप चीकू का सेवन कर सकते हैं। चीकू कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो शरीर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। चीकू में कैल्शियम, विटामिन बी, सी, पोटेशियम, प्रोटीन, आयरन और फाइबर पाया जाता हैं। इस फल के सेवन से न सिर्फ वजन कम हो सकता है, बल्कि आप कई मौसमी बीमारियों से भी खुद को बचा सकते हैं। वहीं इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट वेट कम करने में सहायक होता है। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वजन घटाने के लिए चीकू खाने के कई फायदों के बारे में आपको बताने जा रहे हैं।

वेट लॉस

आपको बता दें कि वेट लॉस के लिए चीकू का सेवन किया जाता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जिसके कारण आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है और आप कम खाते हैं। इससे वेट लॉस में काफी मदद मिलती है। वहीं इसके सेवन से मेटाबॉलिज्म तेज होता है।

एनर्जी

चीकू एनर्जी से भी भरपूर होता है। क्योंकि इसमें कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो आपके शरीर को एनर्जी देता है और थकावट दूर करने में सहायक होता है। क्योंकि वेट लॉस की जर्नी में बहुत लोगों की एनर्जी काफी लो हो जाती है। ऐसे में अगर आप चीकू का सेवन करते हैं, तो आपके शरीर को भरपूर एनर्जी मिलती है।

पाचन–तंत्र के लिए लाभकारी

पोषक तत्वों से भरपूर चीकू सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। वहीं इसमें मौजूद फाइबर गैस, कब्ज और एसिडिटी की समस्या से राहत दिलाता है। चीकू में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाया जाता है, जो खाने के अच्छे से पचाने के साथ मल को मुलायम बनाता है। साथ ही कब्ज आदि की समस्या से भी निजात मिलती है।

बूस्ट होगी इम्यूनिटी

चीकू में भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है, जो इम्यूनिटी को मजबूत करने के साथ मौसमी बीमारियों को भी दूर रखता हैं। चीकू में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को लंबे समय तक स्वस्थ रखते हैं। सर्दी में चीकू के सेवन से सर्दी, खांसी और जुकाम से राहत मिलती है।

ग्लोइंग स्किन

वजन कम करने के दौरान स्किन का ग्लो काफी कम होता है। ऐसे में चीकू के सेवन से स्किन पर ग्लो आता है और स्किन की कई समस्याएं आसानी से दूर होती हैं। इसके सेवन से रंगत में सुधार होने के साथ दाग–धब्बे भी दूर होते हैं। वजन घटाने के लिए चीकू खाने से कई तरह के फायदे मिलते हैं। हालांकि, अगर आपको कोई बीमारी या एलर्जी की समस्या हैं, तो डॉक्टर से पूछकर ही इसका सेवन करें।

बिना थिनर के भी आसानी से छुड़ा सकती हैं नेल पेंट, आपके बहुत काम आएंगे ये टिप्स

आज के समय में लगभग हर लड़की व महिला अपने नेल्स को अच्छा दिखाने के लिए उन पर रंग–बिरंगे नेल पेंट लगाना बेहद पसंद करती हैं। लेकिन जितनी जल्दी नेल पेंट लगाने की होती है, तो उतनी ही जल्दी उस नेल पेंट को बदलकर दूसरी लगाने की होता है। हांलाकि नेल पेंट को हटाने के लिए नेल पेंट रिमूवर भी मार्केट में उपलब्ध होता है। लेकिन कई बार नेल पेंट तो बदलना चाहते हैं, लेकिन नेल पेंट रिमूवर खत्म हो जाता है। ऐसी स्थिति बनने पर कई लड़कियां व महिलाएं कई दूसरे उपाय भी खोज लेती हैं। जहां कुछ हेयर क्लिप की मदद से नाखूनों पर लगे नेल पेंट को खुरच देती हैं। तो वहीं कुछ नेल पेंट को अन्य तरीकों से हटाने का उपाय खोज लेती हैं। लेकिन हेयर क्लिप आदि से नेल पेंट खुरचने से आपके नाखून भी खराब हो सकते हैं। ऐसे में अगर आपके साथ भी अक्सर ऐसा होता है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनको अपनाकर आप बिना नेल्स को कोई नुकसान पहुंचाए, उन पर से नेल पेंट हटा सकती हैं। तो आइए जानते हैं इन सिंपल टिप्स के बारे में...

नींबू

भारतीय रसोई में नींबू आसानी से मिलने वाला इंग्रीडिएंट है। नेल पेंट रिमूव करने के लिए आप नींबू के रस में विनेगर को अच्छे से मिक्स कर लें। फिर इसको नेल पेंट रिमूव करने के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। जब आप नींबू के रस और विनेगर वाले मिक्सचर को नेल पेंट पर हल्का–हल्का रब करेंगी तो नेल पेंट भी रिमूव होने लगेगी।

परफ्यूम

नेल पेंट हटाने के लिए आप परफ्यूम का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। नेल पेंट रिमूव करने के लिए आप डिओड्रेंट या परफ्यूम का भी उपयोग कर सकती हैं। परफ्यूम को कॉटन बड की हेल्प से नेल्स पर अप्लाई कर नेल पेंट रिमूव कर सकती हैं।

अल्कोहल

इसके अलावा अल्कोहल भी नेल पेंट को रिमूव करने में सहायक होता है। एक कॉटन बड की हेल्प से अल्कोहल को नेल्स पर अप्लाई करें। आपको बता दें कि नेल पेंट को रिमूव करने के लिए अल्कोहल एक अच्छा ऑप्शन है।

सुबह खाली पेट सेब का सिरका पीने के ये फायदे कर देंगे हैरान

सुबह उठने के बाद आप कैसी डाइट लेते हैं, इस बात का सीधा असर आपके सारे दिन की एक्टिविटीज पर पड़ता है। खुद को एनर्जेटिक रखने के लिए बहुत से लोग नाश्ते में हेल्दी चीजों का सेवन करते हैं। इसके अलावा कुछ लोग उठकर खाली पेट डिटॉक्स ड्रिंक भी पीते हैं, ताकि बॉडी को डिटॉक्स किया जा सके। डिटॉक्स ड्रिंक्स की बात करें तो सेब का सिरका भी बहुत से लोग पीते हैं। सेब का सिरका खाली पेट पीना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। इसकी मदद से आप आसानी से वजन कम कर सकते हैं। सेब का सिरका सुबह खाली पेट पीने से डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में मदद मिलती है। इसके अलावा भी सुबह खाली पेट सेब का सिरका पीने से और भी कई फायदे होते हैं। तो चलिए जानते हैं...

पाचन रहेगा स्वस्थ

कुछ लोगों को पाचन संबंधी समस्याएं रहती हैं। खाना ठीक से न पचने के कारण गैस, एसिडिटी और कब्ज की समस्या से भी राहत मिलती है। ऐसे में सेब का सिरका काफी फायदेमंद माना जाता है। सुबह खाली पेट सेब का सिरका पीने से पाचन स्वस्थ रहता है। इसके अलावा सुबह सेब का सिरका पीने से आपका शरीर पूरा दिन हल्का महसूस करता है।

कोलेस्ट्रॉल रहेगा कंट्रोल

कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने के कारण हार्ट अटैक और दिल संबंधी बीमारियों को जोखिम बढ़ जाता है। सेब के सिरके में मौजूद एसिटिक एसिड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। साथ ही सेब का सिरका खाली पेट पीने से एलडीएल का स्तर कम करने के स्तर को बढ़ाने में मदद मिलती है। इसके अलावा यह हृदय रोगों का खतरा भी कम करता है।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

सेब का सिरका पीने से इम्यून सिस्टम भी मजबूत बनने में मदद मिलती है। इसमें एसिटिक एसिड और फ्लेवोनॉयड्स पाए जाते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा सेब के सिरका में एंटीमाइक्रोबिएयल गुण भी मौजूद होते हैं जो बैक्टीरिया से लड़कर शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

बॉडी होगी डिटॉक्स

खाली पेट इसका सेवन करने से शरीर डिटॉक्स होता है। नियमित इसका सेवन करने से लिवर में मौजूद विषाक्त पदार्थ में मौजूद मिलती है। यह विषाक्त पदार्थों को शरीर में से बाहर निकालने में मदद मिलती है।

शरीर रहेगा एनर्जेटिक

खाली पेट सेब का सिरका पीने से शरीर को एनर्जी मिलती है। यदि आप सारा दिन एनर्जेटिक रहना चाहते हैं तो खाली पेट इसका सेवन कर सकते हैं।

नाश्ते में बनाना है टेस्टी आमलेट तो फॉलो करें ये टिप्स

जब भी आप आमलेट बनाएं तो पहले पैन में थोड़ा सा मक्खन डालें और उसे अच्छे से पिघलने दें। जब आप देखें कि मक्खन के बुलबुले खत्म हो गए हैं, उस समय अंडे का घोल डालें। अगर आपके पास मक्खन नहीं है तो आप घी का इस्तेमाल भी कर सकते हैं, लेकिन मक्खन से टेस्ट काफी अच्छा आता है।

अधिकतर घरों में लोग नाश्ते में आमलेट खाना पसंद करते हैं। यह एक ऐसी रेसिपी है, जो झटपट बन जाती है और खाने में भी बेहद टेस्टी लगती है। हालांकि, कई लोगों की यह शिकायत होती है कि उनका आमलेट बाजार जैसा नहीं बनता है। वह उतना टेस्टी और फ्लफी नहीं होता है। ऐसा इसलिए भी होता है, क्योंकि घर पर आमलेट बनाते समय हम कुछ छोटी–छोटी बातों को नजरअंदाज कर देते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको जरूर फॉलो करना चाहिए–

व्हिस्किंग तकनीक

अंडे का बैटर तैयार करते समय अमूमन लोग व्हिस्किंग तकनीक पर ध्यान नहीं देते हैं, जबकि यह बेहद ही जरूरी है। आपको अंडों को तब तक फेंटना चाहिए, जब तक कि उसका व्हाइट पोर्शन दिखना बंद ना हो जाए। यह हमेशा लाइट और हल्का झागदार होना चाहिए। इतना ही नहीं, अंडों को तेज़ी से फेंटने के लिए हमेशा कांटे या व्हिस्क का उपयोग करना सबसे अच्छा माना जाता है। आप चाहें तो अंडे के बैटर में थोड़ी मात्रा में दूध या क्रीम मिलाकर एक फ्लफी टेक्सचर प्राप्त कर सकते हैं।

बैटर डालने का तरीका

जब भी आप आमलेट बनाएं तो पहले पैन में थोड़ा सा मक्खन डालें और उसे अच्छे से पिघलने दें। जब आप देखें कि मक्खन के बुलबुले खत्म हो गए हैं, उस समय अंडे का घोल डालें। अगर आपके पास मक्खन नहीं है तो आप घी का इस्तेमाल भी कर सकते हैं, लेकिन मक्खन से टेस्ट काफी अच्छा आता है।

नॉन–स्टिक पर बनाएं

आमलेट के साथ एक समस्या यह होती है कि जब अंडे के बैटर को पैन में डाला जाता है तो वह चिपकने लगता है। इसलिए, इसे बनाने के लिए नॉन–स्टिक पैन का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। हालांकि अगर आप चाहें तो आयरन पैन को सीजन करके उस पर भी आमलेट बना सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि आप फ्रेश अंडों का ही इस्तेमाल करें। इससे टेस्ट काफी अच्छा आता है।

तापमान का रखें ध्यान

आमलेट को पकाते समय गैस की आंच भी बहुत अधिक मायने रखती है। अगर गैस बहुत तेज या बिल्कुल स्लो होती है तो इससे आमलेट अच्छा नहीं बनता है। आपको आमलेट को हमेशा ही मध्यम आंच पर पकाना चाहिए। जब इसे तेज आंच पर पकाया जाता है तो इसका बाहरी हिस्सा भूरा और अंदर का हिस्सा अधपका हो सकता है।

संक्षिप्त

क्या अमरावती बनेगी दुनिया की सबसे बेहतरीन शहर? दावोस में सीएम नायडू का वैश्विक निवेशकों को न्योता

दावोस,एजेंसी। दावोस में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भारत और राज्य की विकास संभावनाओं पर भरोसा जताते हुए कहा कि उनकी सरकार अमरावती को दुनिया का सबसे बेहतरीन और खूबसूरत शहर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस प्रयास में हर किसी को भागीदार बनने का आमंत्रण है। विश्व आर्थिक मंच के दौरान आंध्र प्रदेश सरकार और उद्योग मंडल सीआईआई द्वारा आयोजित ब्रेकफास्ट सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां दुनिया के अधिकांश देश बढ़ती उम्र की समस्या की चुनौती से जूझ रहे हैं, वहीं भारत अगले 25–30 वर्षों तक जनसांख्यिकीय लाभ उठाता रहेगा। नायडू ने कहा कि भारत की एक बड़ी ताकत मजबूत नेतृत्व है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में अंतर्निहित ताकतें हैं। पहले यह एक सोया हुआ विशालकाय देश माना जाता था और इसकी क्षमता समझाना मुश्किल था, लेकिन अब भारत की ग्रोथ के बारे में किसी को बताने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और आंध्र प्रदेश दोनों ही तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहे हैं। पहले हम व्यापार करने में आसानी की बात करते थे और अब हम व्यापार करने की गति की बात कर रहे हैं। नायडू ने दावोस से अपने पुराने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि 1990 के दशक में उनकी पहली दावोस यात्रा ने उन्हें यह सोचने के लिए प्रेरित किया कि दुनिया किस दिशा में आगे बढ़ रही है और आंध्र प्रदेश को कैसे आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम यहां मौजूद हर व्यक्ति को आंध्र प्रदेश की ग्रोथ का पार्टनर बनाना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भविष्य में दुनिया प्रतिभा के लिए भारत पर निर्भर होगी। साथ ही उन्होंने बताया कि भारत के पास प्रचुर सूर्य ऊर्जा, पवन ऊर्जा और स्टोरेज क्षमता है, जो उसे ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिला सकती है। उन्होंने आंध्र प्रदेश में निवेश के लिए उपलब्ध विभिन्न क्षेत्रों का भी उल्लेख किया। इस बीच, आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने सोमवार को दावोस में WEF के इतर ज्यूरिख में बुहलर ग्रुप के चेयरमैन दीपक माने से मुलाकात की। नारा लोकेश ने बुहलर को आंध्र प्रदेश में कृषि–निर्यात क्लस्टर, मिलेट प्रोसेसिंग, खाद्य–तकनीक कौशल विकास और मेक–इन–इंडिया विनिर्माण में साझेदारी का न्योता दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नारा लोकेश ने लिखा कि उन्हें भरोसा है कि यह सहयोग आंध्र प्रदेश को भारत का कृषि–खाद्य केंद्र बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

तीन मैच बदल देंगे श्रेयस अय्यर की तकदीर! वापसी तो हुई, पर क्या विश्वकप टीम में जगह बना पाएंगे?

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय वनडे उप–कप्तान श्रेयस अय्यर ने फिर से टी20 टीम में जगह बना ली है। चयनकर्ताओं ने उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ 21, 23 और 25 जनवरी को होने वाले तीन टी20 मैचों के लिए टीम में शामिल किया है। वह तिलक वर्मा की जगह टीम में आए हैं, जो फिलहाल चोट से जूझ रहे हैं। वापसी का यह समय बेहद अहम है, क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप में अब एक कुछ ही दिनों का समय बचा है। चोटें और फॉर्म किसी भी बड़े टूर्नामेंट का समीकरण बदल सकती हैं, इसलिए चयनकर्ता अनुभवी विकल्पों को तैयार रख रहे हैं। श्रेयस का यह पहला टी20 कॉल–अप 2023 में ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद आया है। 2024 वर्ल्ड कप से ठीक पहले उन्हें ड्रॉप किया गया था, जो उनके लिए बड़ा झटका था। इसके बाद उन्होंने आईपीएल में करियर की नई ऊंचाइयाँ छुईं। 2024 में उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स को चौंपियन बनाया और 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया। व्यक्तिगत तौर पर, आईपीएल 2025 उनका सुनहरा सीजन रहा। श्रेयस ने 604 रन बनाए और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 175 और औसत 50.33 का रहा। इस दौरान उन्होंने छह अर्धशतक लगाए। श्रेयस ने 43 चौके और 39 छक्के जड़े। सबसे खास बात यह रही कि धीमी पिचों पर स्पिन पर उनकी पकड़ मजबूत दिखी। कोच राहुल द्रविड़ ने कुछ साल पहले श्रेयस के स्वभाव पर कहा था, श्उनकी सबसे बड़ी खासियत उनका टेम्परामेंट है। दबाव में भी वो खुद को बेहतर तरीके से संभालते हैं। यह बयान आज भी उनके करियर के साथ फिट बैठता है।

इंदौर में कोहली के शतक के बाद मांजरेकर पर फिर बरसे उनके भाई?

नई दिल्ली,एजेंसी। इंदौर में विराट कोहली के शतक के बाद उनके भाई विकास कोहली ने संजय मांजरेकर पर एक बार फिर कटाक्ष किया है। मांजरेकर के उन बयानों को लेकर सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है जिनमें उन्होंने वनडे को शीर्ष क्रम बल्लेबाजों के लिए आसान फॉर्मेट बताया था और कोहली के सिर्फ 50 ओवर क्रिकेट खेलने के फैसले पर निराशा जताई थी। कुछ समय पहले संजय मांजरेकर ने विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास लेने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वह केवल वनडे खेलकर निराश कर रहे हैं। मांजरेकर के शब्द थे, श्एक टॉप–ऑर्डर बल्लेबाज के लिए वनडे सबसे आसान फॉर्मेट है। विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट से चले गए और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने पांच साल तक संघर्ष किया और टेस्ट औसत गिरता गया।

क्या कोहली–रोहित का होगा डिमोशन? ग्रेड ए से बी में भेजे जा सकते हैं

मुंबई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अपने वार्षिक सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम में बड़े बदलाव की तैयारी में है। न्यूज एजेंसी एएनआई के विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट संरचना में सबसे प्रीमियम ए कैटेगरी को स्क्रैप यानी हटानेध्बंद करने करने का प्रस्ताव है। यदि ऐसा होता है, तो भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज, विराट कोहली और रोहित शर्मा नए मॉडल में ग्रेड बी में रखे जा सकते हैं। चयन समिति, जिसका नेतृत्व पूर्व क्रिकेटर अजीत अगरकर कर रहे हैं, उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट स्ट्रक्चर को सरल और प्रैक्टिकल बनाने की दिशा में बदलाव सुझाए हैं। बोर्ड इसे देखते हुए, एक ग्रेड कम करने पर विचार कर रहा है। ए हटा दिए जाने पर ए श्रेणी केवल ऑल–फॉर्मेट खिलाड़ियों के लिए रखी जा सकती है। ऐसे में मीडिया रिपोर्ट्स में यह कहा जा रहा है कि दोनों को बी ग्रेड में डाला जा सकता है। जबकि ग्रेड ए में तीनों फॉर्मेट में खेलने वाले खिलाड़ी हो सकते हैं।

ये कॉन्ट्रैक्ट सिर्फ खिलाड़ियों को एक साल का वेतन देने का जरिया नहीं हैं, बल्कि यह बीसीसीआई का एक सुव्यवस्थित मॉडल है जिसके जरिए प्रदर्शन, निरंतरता, क्रिकेट के अलग–अलग प्रारूपों में योगदान और चयनकर्ताओं के मूल्यांकन के आधार पर खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में बीसीसीआई ने कई चौंकाने वाले फैसले भी लिए, जिसकी कभी सराहना हुई तो कभी आलोचना झेलनी पड़ी। केंद्रीय अनुबंध में जगह बनाने के लिए बीसीसीआई ने पिछले चक्र में कुछ बदलाव भी किए थे। बीसीसीआई ने जब साल 2024–2025 के लिए खिलाड़ियों के वार्षिक अनुबंध की सूची का एलान किया था, तो उस लिस्ट में कुल 34 खिलाड़ी थे। चार खिलाड़ियों को ए ग्रेड में रखा गया था। वहीं, छह खिलाड़ियों को ए ग्रेड में रखा गया था। पांच खिलाड़ी बी ग्रेड और 19 खिलाड़ी सी ग्रेड में थे। बी ग्रेड में आने वाले क्रिकेटरों को सालाना तीन करोड़ रुपये सैलरी मिलती है। इसमें ज्यादातर वो खिलाड़ी होते हैं, जो एक या दो फॉर्मेट में खेल रहे हों, लेकिन कोर टीम का हिस्सा हैं। सी ग्रेड में आने वाले क्रिकेटरों को सालाना एक करोड़ रुपये सैलरी मिलती है। इसमें वो खिलाड़ी होते हैं, जिनकी टीम में जगह हमेशा पक्की न हो या फिर जिन्हें ज्यादा मैचों का अनुभव न हो। या फिर किसी एक फॉर्मेट में तय मैच खेल चुके हों। इसमें खिलाड़ियों की एंट्री होती रहती है।

फॉर्मेट प्राथमिकता और टेस्ट क्रिकेट का महत्व– बीसीसीआई की नीति में टेस्ट क्रिकेट को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। जो खिलाड़ी तीनों फॉर्मेट में खेलते हैं, या फिर टेस्ट में बड़ा योगदान देते हैं, उन्हें ए ग्रेड मिलता है। इसी आधार पर उम्मीद है कि भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को आने वाले चक्र में ए श्रेणी में शामिल किया जा सकता है। प्रदर्शन और निरंतरता सबसे अहम– खिलाड़ियों का ग्रेड उनके पिछले कॉन्ट्रैक्ट साइकिल के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। लगातार अच्छा प्रदर्शन करने पर प्रमोशन दिया जाता है। वहीं, फॉर्म, फिटनेस या भागीदारी में गिरावट पर डिमोशन दिया जाता है। इसी वजह से कोहली और रोहित की स्थिति पर चर्चा शुरू हुई है। न्यूनतम मैच खेलने का नियमरू किसी भी खिलाड़ी को ग्रेड सी के लिए पात्र बनने के लिए न्यूनतम अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने होते हैं। जैसे किसी एक खिलाड़ी को सी ग्रेड में शामिल होने के लिए तीन टेस्ट, आठ वनडे या 10 टी 20 अंतरराष्ट्रीय खेलना जरूरी है। सिर्फ ज्यादा मैच खेलने से उच्च ग्रेड नहीं मिलता, फॉर्मेट की प्राथमिकता और प्रदर्शन ज्यादा महत्वपूर्ण है। घरेलू क्रिकेट में उपस्थिति अनिवार्यरू हाल के वर्षों में बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि जो खिलाड़ी टीम इंडिया के लिए नहीं खेल रहे हैं, उन्हें घरेलू क्रिकेट, खासकर रणजी ट्रॉफी खेलना होगा। इस नियम का पालन न करने पर कई खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट से बाहर भी किया गया है। श्रेयस अय्यर और ईशान किशन इसका सटीक उदाहरण हैं। ए ग्रेड वालों को सात करोड़ रुपये मिलते हैं और ए ग्रेड वालों को पांच करोड़। अभी स्पष्ट नहीं है कि बदलाव केवल कैटेगरी तक सीमित होंगे या मानदेय में भी बदलाव होगा। यानी रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि ए श्रेणी वालों को कितनी सैलरी मिलेगी। अगर ए श्रेणी वालों को पांच करोड़ ही दिया जाएगा तो बी श्रेणी वालों को तीन करोड़ रुपये मिलेंगे। यानी दोनों खिलाड़ियों को चार–चार करोड़ रुपये प्रति वर्ष की कमी झेलनी पड़ सकती है।

अभ्यास सत्र में भारतीय खिलाड़ियों के बीच सबसे लंबा छक्का मारने का कॉम्पिटीशन

नागपुर,एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज बुधवार से शुरू हो रही है और इससे पहले भारतीय टीम के अभ्यास सत्र में कुछ ऐसा हुआ जिसने खिलाड़ियों के साथ फैंस को भी उत्साहित कर दिया। नेट्स में अभ्यास के दौरान टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने सबसे लंबा छक्का मारने का मजेदार कॉम्पिटीशन किया, जिसमें ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अपने पावर–हिटिंग से माहौल गरमा दिया। हार्दिक एशिया कप में लगी चोट की वजह से लंबे समय तक टीम से बाहर रहे थे। अब वह पूरी तरह फिट होकर वापसी कर रहे हैं और उनकी वापसी ने टीम की बैलेंसिंग और रणनीति दोनों को मजबूती दी है। बीसीसीआई ने अभ्यास सत्र का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जिसमें हार्दिक नेट्स में गेंदों को स्टैंड्स में भेजते दिखे। वीडियो में हार्दिक ने स्टैंड्स में बैठे कुछ लोगों से कहा कि जरा साइड हो जाएं क्योंकि गेंद ऊपर जाएगी। इस पर हेड कोच गौतम गंभीर ने मजाक में पूछा, तुम कहां लक्ष्य साध रहे हो? नॉर्थ विंग? इस पर हार्दिक ने हंसते हुए जवाब दिया, स्टैंड्स में फर्स्ट टीयर पर। इसके बाद जब हार्दिक ने एक बेहद लंबा छक्का मारा, तो कप्तान सूर्यकुमार यादव भी चौंक गए और शिवम दुबे को चिढ़ाते हुए बोले, अबे दुबे! हार्दिक ने सेकंड टीयर पे मार दिया। इस पर दुबे भी मजाक में बोलते हैं, गेंदबाज गेंद लेग में डाल रहा है, मैं सीधा शॉट कैसे खेलूं यह पूरा पल खिलाड़ियों के बीच की बॉन्डिंग और टीम के अंदर पॉजिटिव माहौल को दिखाता है, खासकर सीरीज शुरू होने से ठीक पहले।

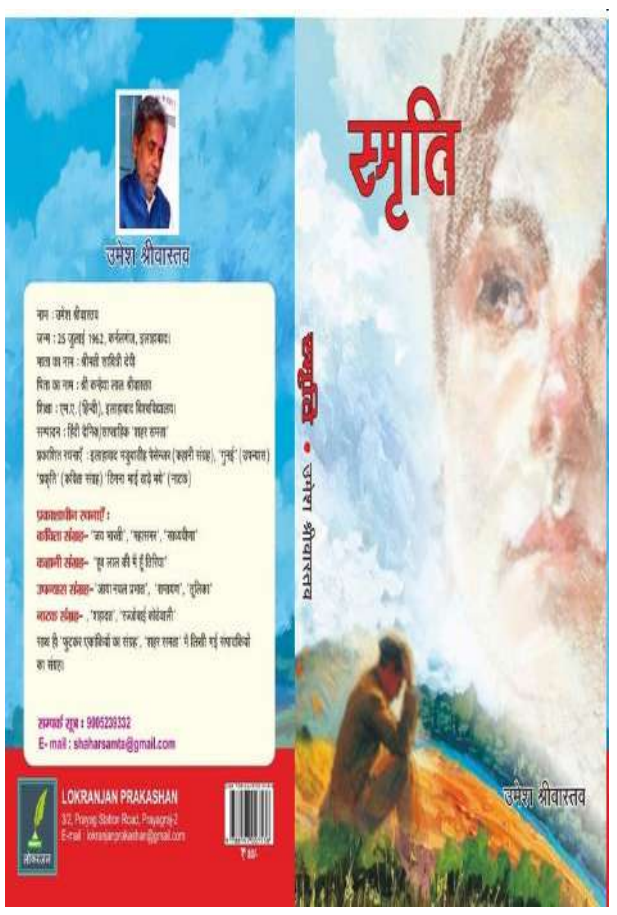

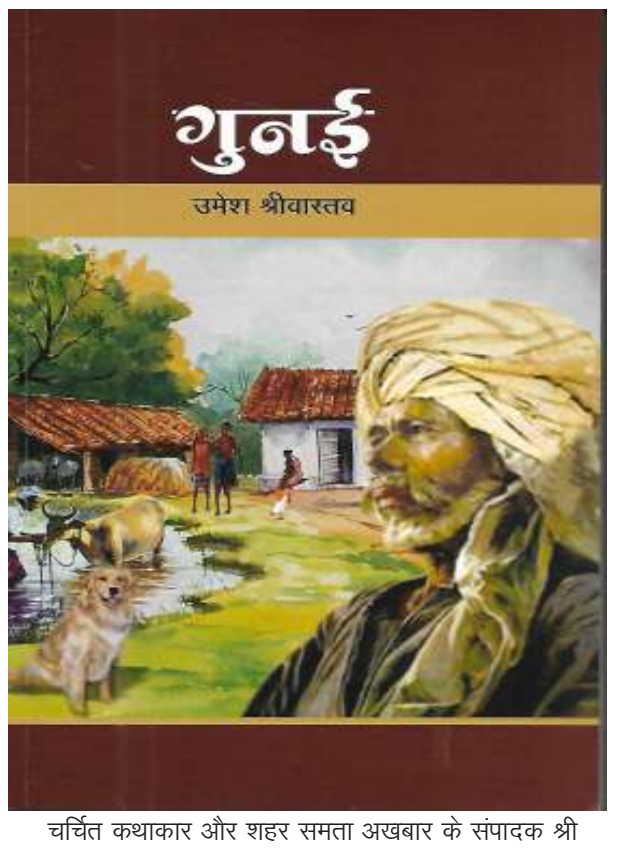

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

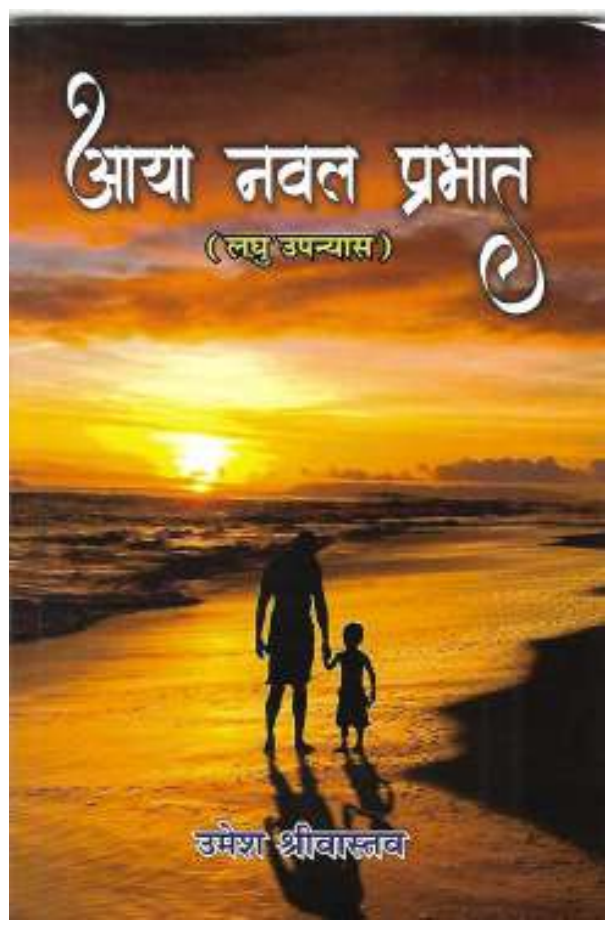

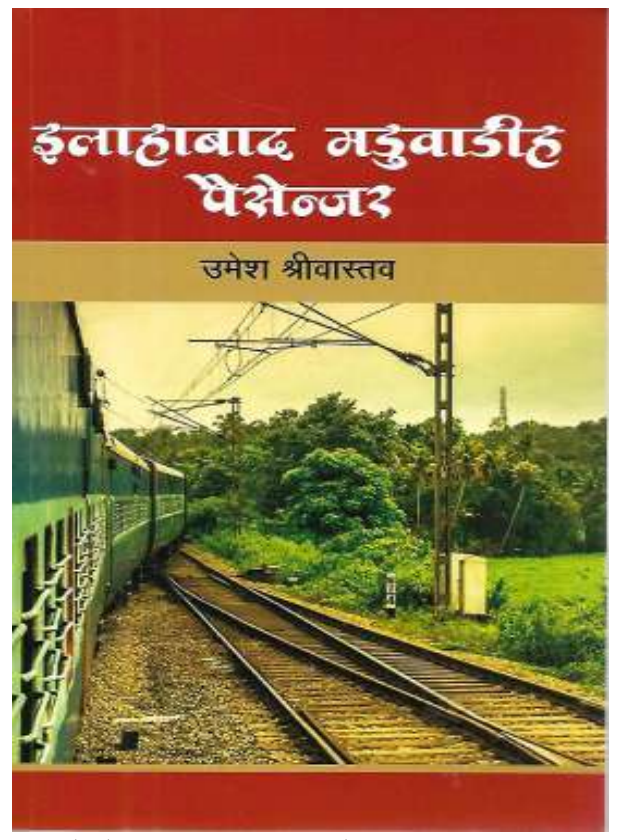

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

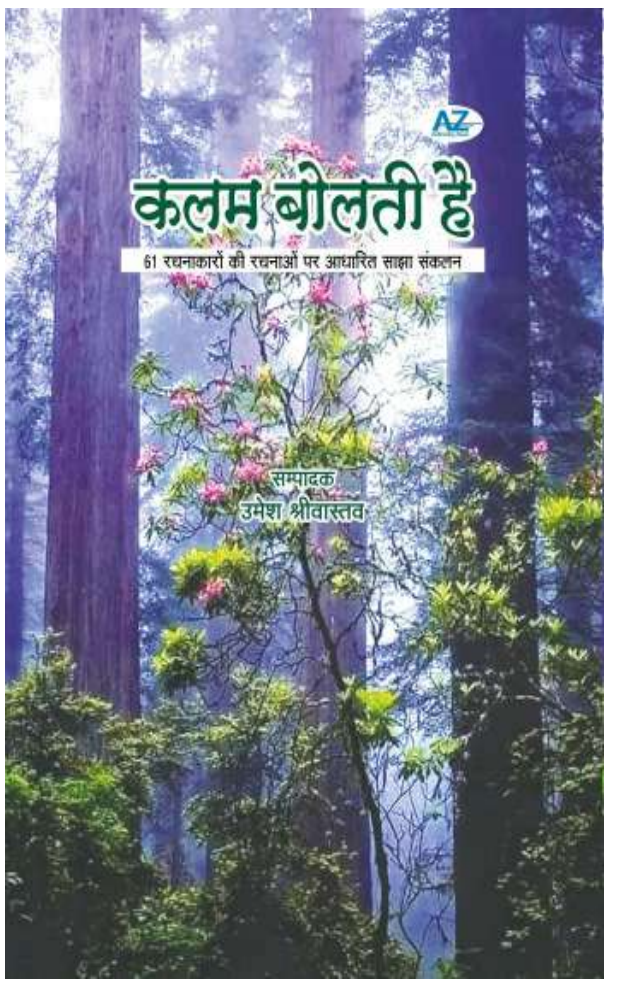

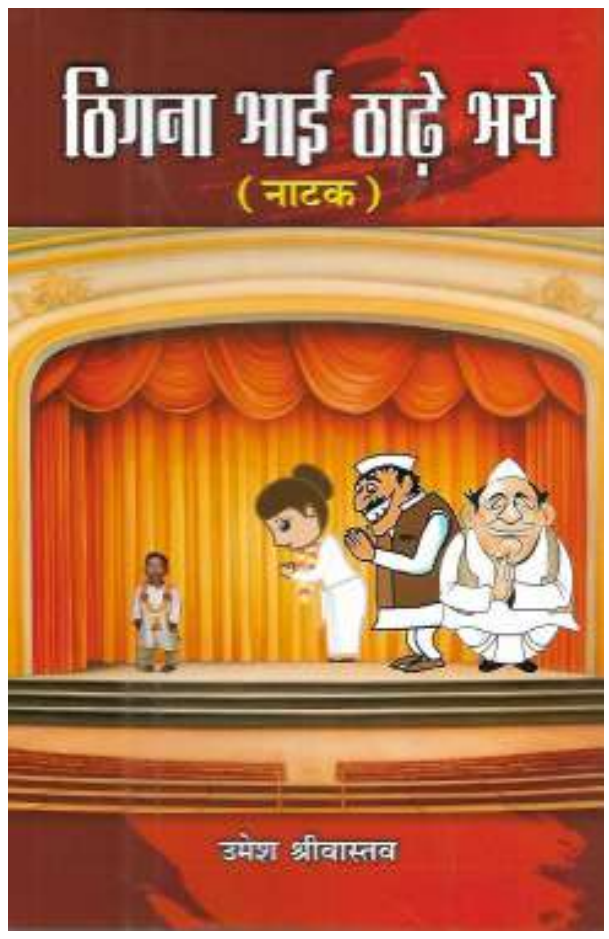

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिका में भीषण बर्फीला तूफान, मिशिगन में इंटरस्टेट हाईवे पर 100 से ज्यादा वाहन टकराए, कई घायल

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य में ग्रेट लेक्स क्षेत्र से आए भीषण बर्फीले तूफान ने भारी तबाही मचाई।

सोमवार सुबह इंटरस्टेट–196 पर करीब 100 से अधिक वाहन आपस में टकरा गए या सड़क से फिसलकर बाहर चले गए। यह हादसा ग्रैंड रैपिड्स के पास हडसनविल इलाके में हुआ। राज्य पुलिस के अनुसार, इस दुर्घटना में कई लोग घायल हुए हैं, हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी की मौत की सूचना नहीं मिली है। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। ओटावा काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि सड़क पर कई वाहन फिसलकर पलट गए और कई ट्रक जैक–नाइफ स्थिति में फंस गए। हाईवे पर फंसे यात्रियों को बसों के जरिए हडसनविल हाई स्कूल पहुंचाया गया, जहां वे अपने परिजनों से संपर्क कर सके या वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था कर पाए। इस बड़े हादसे के बाद मिशिगन स्टेट पुलिस ने सुरक्षा कारणों से इंटरस्टेट–196 को दोनों दिशाओं में बंद कर दिया। राहत और बचाव कार्य में जुटी टीमों को सड़क से वाहनों को हटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे में 30 से ज्यादा सेमी–ट्रेलर ट्रक भी शामिल थे। अधिकारियों का कहना है कि सफाई कार्य के चलते इंटरस्टेट–196 को कई घंटों तक बंद रखा जा सकता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम में अनावश्यक यात्रा से बचें। यह हादसा उस बड़े शीतकालीन तूफान का हिस्सा है, जो पूरे अमेरिका में फैल रहा है। नेशनल वेदर सर्विस ने उत्तरी मिनेसोटा से लेकर विस्कॉन्सिन, इंडियाना, ओहायो, पेंसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क तक कड़ाके की ठंड और बर्फबारी की चेतावनी जारी की है। एक दिन पहले बर्फबारी फ्लोरिडा पैनहैंडल तक पहुंच गई थी, जबकि मैसाचुसेट्स और शिकागो में फुटबॉल प्लेऑफ मैचों के दौरान खिलाड़ियों को गेंद पकड़ने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि उत्तर–मध्य फ्लोरिडा और दक्षिण–पूर्व जॉर्जिया में मंगलवार तक अत्यधिक ठंड पड़ सकती है।

सरकार–कुर्द लड़ाकों के बीच संघर्षविराम समझौता टूटने के कगार पर, फिर हुईं झड़पेंय, IS के कई कैदी फरार

रक्का (सीरिया), एजेंसी। सीरिया सरकार और देश की मुख्य कुर्द–नेतृत्व वाले सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) के बीच संघर्ष विराम की घोषणा के एक दिन बाद सोमवार को यह समझौता टूटता हुआ नजर आया। सोमवार को फिर से झड़पें

शुरू होने के बाद एसडीएफ ने बयान जारी किया। इस बयान में उसने श्अपने सभी युवाओंश (लड़ाकों) से जवाबी कार्रवाई के लिए कतार में खड़े होने की अपील की। एसडीएफ के बयान में क्या कहा गया है? बयान में कहा गया,"जैसे 2014 में हमारे साथियों ने कोबानी में ऐतिहासिक प्रतिरोध किया और उसे इस्लामिक स्टेट (आईएस) का कब्रिस्तान बना दिया था, वैसे ही आज हम उसी संकल्प के साथ कहते हैं कि हम अपने शहरों को आईएस की सोच वाले नए लोगों का कब्रिस्तान बनाएंगे, जिन्हें तुर्किये निर्देशित कर रहा है। एसडीएफ अमेरिका समर्थित बल है और जिसने सीरिया में आईएस के खिलाफ लड़ाई लड़ी। वह पूर्वोत्तर में एक दर्जन से ज्यादा जेलों को नियंत्रित करता है। इन जेलों में करीब इस्लामिक स्टेट के नौ हजार सदस्य वर्षों से बिना मुकदमों के बंद हैं। बताया जा रहा है कि इनमें से कई चरमपंथियों ने जून 2014 में आईएस की ओर से खिलाफत की घोषणा के बाद सीरिया और इराक में गंभीर अत्याचार किए थे। सीरियाई सेना ने बयान में कहा कि शद्दादी कस्बे की शद्दादी जेल से कुछ कैदी अफरा–तफरी के बीच भागने में सफल रहे। इसके बाद कर्फ्यू लगा दिया गया है और फरार लोगों की तलाश जारी है। कैदियों के भागने को लेकर सेना और एसडीएफ ने एक–दूसरे पर आरोप लगाए। एसडीएफ ने माना कि उसका जेल पर नियंत्रण टूट गया था। यह जेल इराक सीमा से करीब 50 किलोमीटर दूर है। एसडीएफ ने यह भी कहा कि रक्का शहर के पूर्वोत्तर में स्थित अल–अक्तान जेल के पास हुई झड़प में उसके नौ सदस्य मारे गए और 20 घायल हुए। एपी के एक रिपोर्टर ने जेल क्षेत्र में अमेरिकी काफिले को जाते देखा, जो दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता के लिए पहुंचा था। अमेरिका के दोनों से अच्छे संबंध हैं।

नेपाल: जनकपुर में बालेन शाह की हुंकार, बोले–भाषण नहीं काम करके दिखाऊंगा

जनकपुर, एजेंसी काठमांडो के पूर्व मेयर और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की ओर से पीएम पद के उम्मीदवार बालेन्द्र शाह बालेन ने जनकपुरधाम में एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान बालेन ने कहा कि वे केवल भाषण देने वाले नेता नहीं, बल्कि धरातल पर काम करने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने काठमांडो के कार्यों का उदाहरण देते हुए जनता से काम का अवसर मांगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

ट्रंप के गाजा शांति बोर्ड में शामिल होने से किन देशों ने किया इनकार? भारत को भी मिला न्योता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी में गाजा पट्टी में स्थायी शांति, पुनर्निर्माण और अस्थायी शासन की निगरानी के लिए श्बोर्ड ऑफ पीसश् बनाने का एलान किया। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के कई देशों के नेताओं को अपने प्रस्तावित श्गाजा शांति बोर्डश् में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। ट्रंप के अनुसार यह अंतरराष्ट्रीय निकाय शुरुआत में युद्ध के बाद गाजा के भविष्य को दिशा देने पर ध्यान देगा और बाद में अपने दायरे का विस्तार कर वैश्विक शांति प्रयासों पर काम करेगा। ट्रंप ने इस बोर्ड को श्अब तक का सबसे प्रभावशाली और निर्णायक समूहश् बताया है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति खुद इसके अध्यक्ष हैं। इस पहल को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली–जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कुछ देशों ने इसमें शामिल होने की सहमति दी है, जबकि कुछ ने इनकार किया है या अभी निर्णय को टाल दिया है। कई देशों ने इसके अधिकार क्षेत्र, संरचना और संयुक्त राष्ट्र से इसके संबंधों को लेकर सवाल भी उठाए हैं। जिन देशों ने सार्वजनिक रूप से निमंत्रण मिलने की पुष्टि की है, उनमें जॉर्डन, अर्जेंटीना, मिस्र, पराग्वे, पाकिस्तान, ग्रीस, तुर्किये, अल्बानिया, हंगरी, साइप्रस, कनाडा, इजरायल, भारत, फ्रांस, रूस, बेलारूस, स्लोवेनिया, थाईलैंड, वियतनाम, कजाकिस्तान, मोरक्को और यूरोपीय संघ का कार्यकारी अंग शामिल हैं। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से लेकर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी तक कई नेताओं से संपर्क किया गया है। मोरक्को के राजा मोहम्मद षष्ठम ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और वह ऐसा करने वाले पहले अरब नेता बने हैं। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ने खुद को संस्थापक सदस्य बताया है। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन ने भी इसे सम्मान बताते हुए स्वीकार किया है। वियतनाम और कजाकिस्तान ने भी बोर्ड में शामिल होने पर सहमति जता दी है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सिद्धांत रूप में सहमति जताई है, लेकिन कहा है कि अभी विवरण स्पष्ट होना बाकी हैं और कनाडा किसी सदस्यता शुल्क का भुगतान नहीं करेगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों और ढांचे के सम्मान को लेकर चिंताओं का हवाला देते हुए फिलहाल शामिल होने से इनकार किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि उनका देश सहयोगियों के साथ इस प्रस्ताव पर चर्चा कर रहा है, लेकिन अभी समर्थन नहीं दिया है। यूरोपीय संघ ने भी कहा है कि सदस्य देशों के बीच बातचीत जारी है और अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। रूस ने निमंत्रण मिलने की पुष्टि करते हुए कहा है कि वह प्रस्ताव के विवरणों का अध्ययन कर रहा है और स्पष्टीकरण चाहता है। बेलारूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको भाग लेने के लिए तैयार हैं। थाईलैंड ने भी निमंत्रण मिलने की पुष्टि की है और प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है। इस्राइल ने कहा है कि बोर्ड के गठन पर उससे परामर्श नहीं किया गया और उसने इसके तहत प्रस्तावित अलग गाजा कार्यकारी समिति की सदस्यता पर आपत्ति जताई है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका के साथ मतभेदों से द्विपक्षीय संबंध प्रभावित नहीं होंगे। हालांकि, वित्त मंत्री बेजालेएल स्मोट्रिच ने इस योजना को इस्राइल के लिए नुकसानदेह बताते हुए इसे रद्द करने की मांग की। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि गाजा पट्टी में तुर्की या कतर के सैनिकों की तैनाती नहीं होगी।

मशहूर डिजाइनर वैलेंटिनो गारवानी का निधन, स्पेन ट्रेन में हादसे में मृतकों की संख्या पहुंची 40

लव गौर, एजेंसी। मशहूर इतालवी डिजाइनर वैलेंटिनो गारवानी का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने रोम स्थित अपने घर में आखिरी सांस ली। उनके निधन की दुखद खबर उनके फाउंडेशन ने सोमवार को दी। फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा, श्वैलेंटिनो गारवानी न केवल हम सभी के लिए एक निरंतर मार्गदर्शक और प्रेरणा थे, बल्कि प्रकाश, रचनात्मकता और दूरदर्शिता का एक सच्चा स्रोत थे। उनका पार्थिव शरीर बुधवार और गुरुवार को रोम स्थित संस्था के मुख्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। अंतिम संस्कार शुक्रवार को रोम के पियाजा डेला रिपब्लिका में स्थित बेसिलिका सांता मारिया डेगली एंजेली ई डेई मार्टिरी में होगा। क्षेत्रीय स्पेनिश अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि देश के दक्षिणी हिस्से में पिछली रात एक तेज रफ्तार रेल दुर्घटना में कम से कम 40 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। यह दुर्घटना तब हुई जब एक ट्रेन का पिछला हिस्सा पटरी से उतर गया, जिससे विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य तेज रफ्तार ट्रेन भी पटरी से उतर गई। दक्षिणी स्पेन के अंडालूसिया क्षेत्र के राष्ट्रपति जुआनमा मोरेनो ने दोपहर की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मृतकों की नई संख्या की पुष्टि की। उन्होंने आगे कहा कि दुर्घटनाग्रस्त हुई दोनों रेलगाड़ियों से शवों को निकालने के प्रयास जारी हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि उसके क्षेत्र के आसपास चीन के 2 सैन्य विमान और 6 नौसैनिक जहाज देखे गए। मंत्रालय के अनुसार, इन दो विमानों में से एक ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा पार कर ताइवान के उत्तरी वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। मंत्रालय ने कहा कि स्थिति पर नजर रखी गई और आवश्यक कदम उठाए गए। पिछले दिनों भी ताइवान के आसपास 2 चीनी विमान और 8 जहाज देखे गए थे। उन विमानों ने दक्षिण–पश्चिमी ।क्प्र् में प्रवेश किया था। मंत्रालय ने यह भी बताया कि सभी गतिविधियोंपर सतत निगरानी रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर जवाब दिया गया। ऑस्ट्रेलिया के केंगारी (फ्रेजर द्वीप) पर एक कनाडाई महिला का शव मिला है। अधिकारियों को शक है कि उसकी मौत डायंगो कुत्तों के हमले से हुई हो सकती है। 19 वर्षीय युवती सोमवार सुबह तैराकी के लिए गई थी। करीब 90 मिनट बाद उसका शव एक लोकप्रिय बीच के पास मिला। पुलिस ने बताया कि उसके शरीर पर डायंगो के निशान मिले हैं। स्थानीय समय अनुसार सुबह 6रू35 बजे दो लोग "न्ट में ड्राइव कर रहे थे, तभी उन्होंने महिला के शव के पास लगभग 10 डायंगो देखे। पुलिस इंस्पेक्टर पॉल एल्गी ने बताया कि यह दृश्य उनके लिए बहुत ही डरावना था। मृत्यु की असली वजह पोस्टमार्टम के बाद ही सामने आएगी। महिला द्वीप पर एक पर्यटन स्थल में छह सप्ताह से काम कर रही थी। केंगारी में लगभग 200 डायंगो रहते हैं। युवा डायंगो अब अधिक आक्रामक और इंसानों के प्रति कम डर रखने लगे हैं, खासकर कोविड–19 के बाद पर्यटन लौटने के बाद। चिली में दमकलकर्मी रविवार को शुरू हुई जंगल की आग से जूझ रहे हैं, जिसने देश के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में हजारों एकड़ क्षेत्र में फैलकर कम से कम 19 लोगों की जान ले ली है और लगभग 1,500 लोगों को बेघर कर दिया है। राष्ट्रीय आपदा निवारण सेवा ने बताया कि दक्षिण अमेरिकी देश में सोमवार को भी पांच बड़ी जंगल की आग सक्रिय थी, और ग्रीष्म ऋतु की लू के कारण तापमान सामान्य से अधिक था। चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक ने रविवार को मध्य बायोबियो और पड़ोसी न्युबल क्षेत्रों में आपदा की घोषणा की। आपातकाल की घोषणा से जंगल की आग पर काबू पाने के लिए सेना के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने में मदद मिलेगी।बोरिक ने सोमवार सुबह अपने एक्स अकाउंट पर कहा कि मौसम की स्थिति प्रतिकूल है, जिसका मतलब है कि कुछ जगहों पर आग फिर से भड़क सकती है।

बढ़े टैरिफ के बीच नए साझेदारों की तलाश में पोलैंड, उप–प्रधानमंत्री बोले–भारत से सहयोग को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। पोलैंड के उप–प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की ने कहा है कि बढ़ते वैश्विक टैरिफ के चलते पोलैंड नए व्यापारिक साझेदारों की तलाश कर रहा है और इस दिशा में भारत ने सहयोग के लिए तत्परता दिखाई है। भारत

दौरे के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने मुक्त और नियम–आधारित वैश्विक व्यापार की जरूरत पर जोर दिया। दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान सिकोरस्की ने कहा जब दुनिया के कुछ हिस्सों से हमें बढ़े हुए टैरिफ का सामना करना पड़ता है, तब हम नए व्यापारिक साझेदार तलाशते हैं। भारत ने हमारे साथ जुड़ने की इच्छा दिखाई है। हमें दुनिया को यह दिखाना होगा कि आज भी कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जो मुक्त व्यापार में विश्वास रखते हैं। गौरतलब है कि पिछले वर्ष अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच हुए एक व्यापार समझौते के तहत अधिकांश यूरोपीय संघ उत्पादों पर 15 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया गया था। पोलैंड, जो यूरोपीय संघ का सदस्य है, इस फैसले से प्रभावित हुआ है। ऐसे में भारत जैसे उभरते बाजार पोलैंड के लिए अहम साझेदार बनकर सामने आ रहे हैं। सिकोरस्की ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच चल रही मुक्त व्यापार समझौता (थ्ज्।) वार्ता को लेकर भी सकारात्मक रुख जताया। उन्होंने बताया कि कुछ उद्योग संवेदनशील जरूर हैं, लेकिन भारत और यूरोपीय संघ के कृषि क्षेत्र काफी हद तक एक–दूसरे के अनुकूल हैं। सूत्रों के अनुसार, भारत–ईयू एफटीए को अंतिम रूप 27 जनवरी को होने वाले 16वें भारत–ईयू शिखर सम्मेलन के दौरान दिया जा सकता है। इस अवसर पर यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भारत दौरे पर रहेंगी। इससे पहले सिकोरस्की ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की। बैठक में पड़ोसी क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों और वैश्विक हालात पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने सीमा पार आतंकवाद की कड़ी निंदा की। जयशंकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता होनी चाहिए और किसी भी तरह के आतंकी ढांचे को समर्थन नहीं मिलना चाहिए।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

अब चांद की जानलेवा धूल नहीं बनेगी अंतरिक्ष यात्रियों के लिए समस्या, नासा ने विकसित की नई प्रणाली

लव गौर, एजेंसी। चांद पर कदम रखते ही जो धूल कभी अंतरिक्ष यात्रियों के लिए सबसे बड़ा खतरा मानी जाती थी, अब वही धूल जल्द ही अतीत बन सकती है। अपोलो मिशन के दौर में स्पेससूट खराब करने, उपकरणों को जाम करने और फेफड़ों तक को नुकसान पहुंचाने वाली चंद्र धूल से निपटने के लिए नासा ने एक नई, अत्याधुनिक तकनीक विकसित कर ली है। यह तकनीक बिजली की मदद से धूल को सतहों से दूर उड़ा देती है। नासा अब इस प्रणाली को और बेहतर बनाने में जुटा है, ताकि आर्टेमिस मिशन के तहत चांद पर लंबे

समय तक रहने, अधिक वैज्ञानिक प्रयोग करने और स्थायी मौजूदगी की राह आसान हो सके। नासा की ओर से शनिवार को दी गई जानकारी के अनुसार चांद की सतह पर मौजूद धूल साधारण मिट्टी नहीं है। यह अरबों साल पुराने ज्वालामुखीय पत्थरों और कांच के बेहद महीन, नुकीले कणों से बनी है, जो माइक्रो मीटियोराइट टक्करों से टूट–टूटकर तैयार हुए हैं। यह धूल हल्की सी हलचल या विकिरण मिलने पर विद्युत आवेशित हो जाती है और हवा में तैरने लगती है।यही कारण है कि यह अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेससूट, औजारों और उपकरणों से गोंद की तरह चिपक जाती है। अपोलो मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों ने इस धूल को सांस के साथ अंदर लिया, जिससे उन्हें सांस संबंधी गंभीर दिक्कतें हुईं, जिन्हें 'लूनर हे फीवर' कहा गया। नासा के रिकॉर्ड के अनुसार, यह धूल वैक्यूम सील, स्पेससूट के जूते और अन्य जरूरी उपकरणों को तेजी से खराब कर देती थी। सफाई के लिए इस्तेमाल किए गए ब्रश भी बेअसर साबित हुए, क्योंकि धूल और ज्यादा चिपक जाती थी। ईडीएस दो भौतिक बलों का इस्तेमाल करती है। एक बल समान विद्युत आवेश वाले कणों को एक–दूसरे से दूर धकेलता है, जबकि दूसरा बल धूल के कणों के भीतर अस्थायी ध्रुव बनाकर उन्हें विद्युत क्षेत्र से बाहर निकाल देता है। इन दोनों के संयुक्त प्रभाव से सतह लगभग खुद–ब–खुद साफ हो जाती है। नासा के परीक्षणों में यह तकनीक 99 प्रतिशत तक धूल हटाने में सफल रही है। नेशनल ज्योग्राफिक में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसारअब नासा आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत चांद के दक्षिणी ध्रुव पर स्थायी मौजूदगी की योजना बना रहा है। ऐसे में धूल की समस्या और भी गंभीर हो जाती है। लंबे समय तक वहां रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के लिए सोलर पैनल, तार, मून रोवर और स्पेससूट का सुरक्षित रहना बेहद जरूरी है। बिना प्रभावी समाधान के, यह धूल मिशन को विफल तक कर सकती है। इसी चुनौती से निपटने के लिए नासा ने 'इलेक्ट्रोडायनामिक डस्ट शील्ड' यानी ईडीएस विकसित किया है। यह एक पारदर्शी परत होती है, जिसमें बेहद पतले इलेक्ट्रोड लगे होते हैं। इन्हें कैमरा लेंस, सोलर पैनल, थर्मल रेडिएटर या स्पेससूट के कपड़े तक में जोड़ा जा सकता है। स्विच ऑन करते ही यह प्रणाली विद्युत क्षेत्र बनाती है, जो चिपकी हुई धूल को सतह से दूर उड़ा देती है।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड में भेजा 'नोराड' विमान, तनाव के बीच बड़ा फैसलाय क्या कब्जे के लिए उठाया कदम?

वॉशिंगटन, एजेंसी। डेनमार्क समेत यूरोपीय देशों से जारी तनाव के बीच अमेरिका ने ग्रीनलैंड के सैन्य अड्डे पर उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड (एनओआरएडी) का एक विमान तैनात करने का फैसला लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ये फैसला चौंकाने वाला है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ग्रीनलैंड के पिटुफिक अंतरिक्ष अड्डे पर एनओआरएडी (छव्त्।क्) का एक विमान तैनात करने का एलान किया।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की वैश्विक रिपोर्ट, टैरिफ युद्ध-एआई जोखिम वैश्विक कारोबार के लिए सबसे बड़ा खतरा

लव गौर, एजेंसी। वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्ष 2026 की दहलीज पर ऐसे दौर में खड़ी है, जहां भू–आर्थिक टकराव, तकनीकी अनिश्चितता और जलवायु संकट एक साथ दबाव बना रहे हैं। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की ग्लोबल रिस्क्स रिपोर्ट 2026 के मुताबिक आने वाले दो वर्षों में कारोबार के लिए सबसे बड़ा खतरा देशों के बीच बढ़ता आर्थिक और रणनीतिक टकराव (टैरिफ वॉर) है, जबकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई से जुड़ी नकारात्मक संभावनाएं सबसे तेजी से उभरता जोखिम बनकर सामने आई हैं। रिपोर्ट दुनिया को ऐसे मोड़ पर बताती है जहां अस्थिरता सामान्य स्थिति बनती जा रही है। डब्ल्यूईएफ की यह रिपोर्ट सरकार, व्यापार और विभिन्न संगठनों से जुड़े लगभग 1300 नेताओं के सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट के अनुसार अगले दो वर्षों में जियो इकोनॉमिक कन्फ्रन्टेशन यानी भू–आर्थिक टकराव कारोबार से जुड़ी चिंताओं की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गया है। इसमें टैरिफ, नियमों, सप्लाई चेन और पूंजी प्रवाह को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति शामिल है। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि इस तरह की प्रतिस्पर्धा वैश्विक व्यापार में बड़े संकुचन का कारण बन सकती है। इस सर्वेक्षण में सबसे चौंकाने वाला बदलाव कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े जोखिमों को लेकर देखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक एआई से बड़े पैमाने पर रोजगार विस्थापन हो सकता है जिससे आय असमानता, सामाजिक विभाजन, उपभोक्ता खर्च में गिरावट और आर्थिक–सामाजिक असंतोष का दुष्चक्र पैदा हो सकता है, भले ही उत्पादकता में भारी वृद्धि ही क्यों न हो। रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि मशीन लर्निंग और क्वांटम कंप्यूटिंग का तेजी से हो रहा विकास एक सुपरचार्ज्ड तकनीकी परिदृश्य बना सकता है। इस स्थिति में ऐसे हालात पैदा हो सकते हैं, जहां मानव नियंत्रण कमजोर पड़ जाए और जोखिम कई गुना बढ़ जाएं। अल्पकालिक जोखिमों में गलत सूचना और दुष्प्रचार दूसरे स्थान पर हैं, जबकि सामाजिक धुवीकरण तीसरे स्थान पर है। रिपोर्ट के अनुसार आय असमानता अगले दस वर्षों में सबसे अधिक आपस में जुड़ा हुआ जोखिम बनी रहेगी।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा
कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज,
विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई
लूकरगंज, इलाहाबाद से
मुद्रित कराकर
289/238ए,कर्नलगंज
इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।